समाज विकास

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का मुखपत्र

• अगस्त २०१८ • वर्ष ६९ • अंक ०८

मूल्य : ₹ १० प्रति, वार्षिक ₹ १००

तेलांगाना प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन का गठन

श्री रमेश कुमार बंग होंगे पहले अध्यक्ष

२० जुलाई २०१८ : राजा राममोहन सरणी, कोलकाता स्थित सम्मेलन भवन के निर्माण के शुभारम्भ के अवसर पर भूमिपूजन : पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सीताराम शर्मा, सपत्नीक, यजमान की भूमिका में।

इस अंक में :

- अध्यक्षीय - सम्मेलन भवन - मील का पत्थर
- सम्पादकीय - स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएँ
- आलेख - विरोधाभास जीवन की हकीकत?
- केन्द्रीय / प्रांतीय कार्यक्रमों पर रपट

२० जुलाई २०१८ को हिन्दुस्तान क्लब, कोलकाता में आयोजित सम्मेलन की अखिल भारतीय समिति की बैठक में (बायें से) सर्वश्री गोपाल अग्रवाल, डॉ. जुगल किशोर सर्राफ, गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया, श्रीगोपाल झुनझुनवाला, संतोष सराफ, सीताराम शर्मा, संजय हरलालका और कैलाशपति तोदी।

LINC

Think it. Linc it.

born of **black**

pentonic™

Write the future

Begin a statement that moves the nation.
Gift tomorrow's generation a new set of words to remember.
Start an idea that inspires and challenges the future.

Emerge with the boldness of black.

₹10 per U

समाज विकास

◆अगस्त २०१८ ◆वर्ष ६९ ◆अंक ०८
◆एक प्रति - ₹१० ◆वार्षिक - ₹१००

अनुक्रमणिका

शीर्षक	पृष्ठ संख्या
● **चिट्ठी आई है / श्रद्धांजलि**	३ एवं ९
● **सम्पादकीय : शिव कुमार लोहिया** स्वतंत्रता दिवस की शुभकामानाएँ	४
● **अध्यक्षीय : सन्तोष सराफ** सम्मेलन भवन – मील का पत्थर	५
● **केन्द्रीय/प्रान्तीय समाचार**	६-७ एवं ११-२५
● **सूचना : वार्षिक साधारण सभा**	१०
● **आलेख : डॉ. श्याम सुन्दर हरलालका** क्या विरोधाभास जीवन की हकीकत है?	२६-२७
● **विविध**	२७-२८
● नए सदस्यों का स्वागत	३३-३४

स्वत्वाधिकारी

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन
All India Marwari Federation

प्रशासनिक एवं सम्पर्क कार्यालय : **४बी, डकबैक हाउस, ४१, शेक्सपीयर सरणी, कोलकाता - ७०००१७**
फोन : ०३३-४००४ ४०८९

पंजीकृत कार्यालय : १५२बी (द्वितीय तल), महात्मा गांधी रोड कोलकाता - ७००००७

◆ email: aimf1935@gmail.com
◆ Website : www.marwarisammelan.com

स्वत्वाधिकारी ऑल इण्डिया मारवाड़ी फेडरेशन के लिये श्री भानीराम सुरेका द्वारा ऑल इण्डिया मारवाड़ी फेडरेशन, ४बी, डकबैक हाउस (४ तल्ला), कोलकाता-१७ से प्रकाशित तथा सी.डी.सी. प्रिंटर्स प्रा. लि., ४५, राधानाथ चौधरी रोड, कोलकाता - ७०००१५ से मुद्रित।

◆संपादक : संतोष सराफ
प्रेरक संपादक : सीताराम शर्मा
कार्यवाहक सम्पादक : शिव कुमार लोहिया

प्रकाशित रचनाओं से सम्पादकीय सहमति अनिवार्य नहीं है।

चिट्ठी आई है

निवेदन है कि अखिल भारतीय मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा प्रकाशित "समाज विकास" पत्रिका बहुत अच्छी पत्रिका है, तथा मुझे बेहद पसन्द है, तथा हर महीने पत्रिका मिलने का इन्तजार रहता है। पत्रिका में प्रकाशित सभी लेख बहुत अच्छे लगते हैं। सम्मेलन की तरफ से सामाजिक सुधार करने के लिये, कुरीतियो को दूर करने के लिये, विवाह-शादी में आडम्बरपूर्ण दिखावा एवं अत्यधिक खर्च को रोकने के लिये, दारु पीने पर प्रतिबन्ध लगाने के लिये, मिलनी में ४ रुपया कागज का देने के लिये, पत्रिका के मार्फत समाजिक सुधार का प्रचार जरूरी है जो बहुत ही अच्छा कार्य किया जा रहा है, जिसके चलते समाज में कुछ तो चैतना जागेगी। समाज सुधार करने वाले सभी कार्यकर्ताओ को, सम्मेलन के पदाधिकारियों को, इस शुभ कार्य के लिये मैं सभी कार्यकर्ताओं को हार्दिक शुभकामनाओं के साथ वधाई देता हूँ। समाज सुधार की प्रक्रिया को बराबर चालू रखने की अनुरोध करता हूँ। समाज के हर गाँव/शहर के परिवार में समाज विकास पत्रिका पहुँचे। समाज विकास पत्रिका में सम्मेलन के सभापति, उपसभापति, मन्त्री, उपमन्त्री या सम्मेलन के कार्यकर्ताओ का नाम एवं फोन नम्बर प्रत्येक मास छाप कर प्रकाशित करने का अनुरोध करता हूँ, कारण कि कोई भी कार्यवश समाज का आदमी फोन के मार्फत सम्पर्क या बातचित करना हो तो, कर सकता है। समाज विकास पत्रिका में ग्राहक नम्बर चालू करके हर ग्राहक को नम्बर देना चाहिये। मारवाड़ी समाज का कल्याण हो। आपसी भाई-चारे की वृद्धि हो, प्रेम भावना हो, समाज का उत्थान हो, भगवान से प्रार्थना करता हूँ।

– शंकर लाल लोधा, पुरुलिया

श्रद्धांजलि!

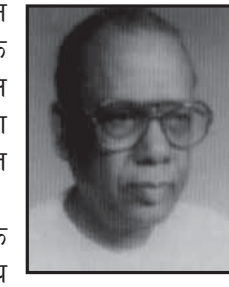

ज्ञानभारती शिक्षण संस्थान व सांस्कृतिक संस्था अर्चना के संस्थापक सदस्य व पूर्व अध्यक्ष वरिष्ठ साहित्यकार नथमल केडिया का निधन ९३ वर्ष की आयु में गत ४ जुलाई २०१८ को हो गया।

नथमल जी की व्यवसाय के अतिरिक्त समाज सेवा और साहित्य में गहरी रुचि थी। साहित्य महोपाध्याय से सम्मानित श्री केडिया समाज विकास के प्रकाशन में भी सहयोग करते थे और सम्मेलन के भाषा सम्बन्धी पुरस्कारों के निर्णायक मण्डली के मानद सदस्य थे। वे अपने पीछे पुत्र सुरेश केडिया, शरद केडिया व प्रदीप केडिया सहित भरा-पूरा परिवार छोड़ गये हैं।

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन स्व. केडिया के स्वर्गवास पर शोक प्रगट करता है। ईश्वर से प्रार्थना है कि शोक संतप्त परिवार को धैर्य धारण करने की शक्ति एवं पुण्यात्मा की उच्च गति प्रदान करे!

सम्पादकीय

स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएँ!

– शिव कुमार लोहिया

इस वर्ष हम ७२वाँ स्वतंत्रता दिवस मनाने जा रहे हैं। स्वतंत्रता संग्राम से जुड़े लोग अब प्रायः लुप्त होते जा रहे हैं। स्वतंत्रता संग्राम अब एक अहसास की जगह इतिहास बनता जा रहा है। हजारों वर्ष की गुलामी के पश्चात हमने अपनी खोई हुई आजादी पायी है। इसके पीछे असंख्य बलिदानियों का अवदान है। पूरे देश में एक ही जज्बा था – हमें गुलामी की जंजीरो को तोड़ना है। वह एक ऐसा दौर था जब माताएँ, बहनें बलिदानियों की मृत्यु पर शोक नहीं करते थे। उन्हें इस बात का गर्व होता था कि उनका बेटा, या भाई देश के खातिर शहीद हुआ। स्वाभिमान की भावना कूट-कूट कर भरी थी। लाला लाजपत राय के सिर पर चोट करने की घटना हो या जलियवालाबाग की इसका बदला लेने के लिए देश के युवा अपना सर्वस्व न्यौछावर करने में नहीं हिचके। बलिदानियों ने यह कभी नहीं सोचा कि उन्हें क्या मिलेगा। उन्होंने बलिदान दिया ताकि उनके बाद की पीढ़ी स्वतंत्र भारत में श्वास ले सके। उनका सपना था कि स्वतंत्र भारत में खुशहाली हो। बलिदानियों ने अपने बलिदान से आजादी तो दिला दी, पर क्या हम उस आजादी के काबिल बन पाये हैं। इस अवसर पर गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर की पंक्तियाँ याद आती हैं –

जहाँ मन भय से मुक्त है
और सिर सम्मान से ऊँचा हो
जहाँ ज्ञान स्वतंत्र हो
जहाँ दुनिया क्षुद्र स्वार्थों के
टुकड़ों में न बँटी हो
जहाँ विचार सच्चाई की गहराई
से उपजते हो
वैसे ही स्वतंत्रता के स्वर्ग में
हे परमपिता मेरे देश को जागृत कर दे।

स्वतंत्रता प्राप्ति के ७१ वर्ष वाद आज स्थिति क्या है। दलितों का दम या गोरक्षा के नाम पर बवंडर हो, आश्रय गृह में भूखी बालिकाओ के साथ दबंगों द्वारा खिलवाड़ करने की घटना हो, देश की जनता चुप है। हाल ही में देश की सर्वोच्च न्यायालय ने स्वीकार किया कि महिलाओं का यत्र-तत्र-सर्वत्र बलात्कार हो रहा है। राजनीतिक दल अपने उद्देश्य की पूर्ति के लिये सब कुछ करने को तैयार है। फिर भी देश का नागरिक चुप है। प्रश्न यह है कि अगर देश के स्वतंत्रता सेनानी भी चुप रहते तो क्या हमें स्वतंत्रता मिल पाती। और अगर इसी तरह आज का नागरिक चुप रहेगा तो क्या हम उस स्वतंत्रता के लायक स्वयं को कह पायेंगे। भयभीत व्यक्ति को स्वतंत्र होने का अधिकार नहीं है। जिसे अपने सम्मान का भाव न हो, उसे स्वतंत्र होने का अधिकार नहीं। जो अपने क्षुद्र स्वार्थों में लिप्त हो, उसे स्वतंत्र होने का अधिकार नहीं। जिसमे ज्ञान का अभाव हो एवं विचार करने की शक्ति नहीं, उसे स्वतंत्र होने का अधिकार नहीं। हम स्वतंत्र तो हैं पर हमें उसके महत्व का पता नहीं है।

आज भी विश्व के ४० प्रतिशत व्यक्ति ही लोकतंत्र में रह रहे हैं। दुनिया के ५५ देशों में लोग आंशिक रूप से ही स्वतंत्र हैं। बाकी के ५१ देशों में २.६ अरब व्यक्ति आज भी स्वतंत्र नहीं हैं। भारतवर्ष प्राकृतिक संपदा, ऋतु, भौगोलिक दृष्टि से गरीब नहीं है। यह भूमि सदैव इतना सम्पन्न रही है कि विदेशी लुटेरों ने आकर उसे कई बार लूटा है। सब कुछ होते हुए भी हम लुट ते गये, क्योंकि हम कभी संगठित नहीं रहे एवं कभी विरोध नहीं किया। देश में अरबों-खरबों की कर वसूली होती है। उसका एक बड़ा भाग सरकार के ढाँचे को बरकरार रखने में खर्च होता है। इस विषय में चिंतन की आवश्यकता है। हमारा देश सदा से ही सोने की चिड़िया एवं विश्वगुरु रहा है। यानि हमारे यहाँ सम्पन्नता एवं ज्ञान दोनों थें। हम समझ सकते हैं कि हम गरीब न होते हुए भी गरीबी हम पर शासन कर रही है। इसके लिये जिम्मेदार तत्वों को, नीतियों को ढूँढ कर, इसका हल निकालना होगा। आज का युग आर्थिक युग है। इस क्षेत्र में हमारे पड़ोसी देश चीन ने कमाल कर दिखाया है। भारत के पड़ोसी देश भारत के विरुद्ध शनैः-शनैः लामबंद हो रहे हैं। इस स्थिति से हम तभी निपट सकते हैं जब देश को आर्थिक दृष्टि से मजबूत बना पायें, जब हम गरीबी का धब्बा देश से मिटा पायें।

भारत की वर्तमान प्रति-व्यक्ति आय सालाना १८२० डालर है, पर देश की ८० प्रतिशत आबादी की आय इस आँकडे से कम है। इसका मतलब हुआ कि हमारे देश में एक बहुत बड़ा तबका है जो गरीबी से जूझ रहा है। अमीरी एवं गरीबी के बीच खाई बढ़ी है। देश में रोजगार की स्थिति के एक उदाहरण से पता चल जायेगा। हाल ही में रेलवे ने ९० हजार नौकरियों के लिये विज्ञापन दिया था। उसके जबाब में २.५ करोड़ आवेदन प्राप्त हुए हैं। देश में शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा एवं नौकरी की सुविधाओं से देश का बहुत बड़ा तबका वंचित है। शिक्षा के नाम पर अनाप-शनाप खर्च हो रहे हैं, पर उसका क्या प्रतिफल हो रहा है, हम सब जानते हैं। ऐसी हालत में अगर कहें कि हमारी स्वतंत्रता अपूर्ण है, तो कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी।

अध्यक्षीय

सम्मेलन भवन – एक मील का पत्थर

धार्मिक आयोजनों में आडंबर चिंतनीय

– सन्तोष सराफ

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राजा राममोहन राय सरणी, कोलकाता स्थित सम्मेलन भवन का भूमिपूजन समारोह गत २० जूलाई २०१८ को सम्पन्न हुआ। सम्मेलन की ओर से इस पुनीत कार्य को यजमान के रूप में पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सीताराम शर्मा ने सपत्नीक सम्पन्न किया। भागवताचार्य पं. मालीराम शास्त्री ने कार्य के सामाजिक महत्व को ध्यान में रखते हुये स्वयं पौरोहित्य का कार्य सुसम्पन्न किया। कई वर्षों तक बाधा-व्यवधान से उबरने के पश्चात् श्री आत्माराम सोंथलिया, श्री पवन जालान, श्री सीताराम शर्मा एवं डॉ. हरिप्रसाद कानोड़िया आदि के सहयोग से इस जगह को किरायदारों से खाली कराया गया। तत्पश्चात पूरे भवन के निर्माण का व्यय पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नंदलाल रुँगटा ने वहन करने की सहर्ष स्वीकारोक्ति प्रदान की। आशा है सम्मेलन भवन का सपना अब अविलंब ही फलीभूत होगा। कुछ वर्षों पहले शेक्सपीयर सरणी स्थित सम्मेलन के कार्यालय की स्थापना से सम्मेलन के कार्यों में अत्यधिक गतिशीलता आई है। इसमें कोई शक नहीं कि सम्मेलन भवन का निर्माण सम्मेलन के इतिहास में एक मील का पत्थर साबित होगा। सम्मेलन भवन के द्वारा सम्मेलन समाज की सेवा और अधिक प्रभावी ढंग से कर सकेगा। इस अवसर पर मैं उन सभी दानदाताओं के प्रति आभार व्यक्त करना चाहता हूँ जिनके सहयोग से इस भूमि का क्रय सन् २००३ में हुआ था। उनके नाम हैं श्री नंदकिशोर जालान, श्री दीपचंद नाहटा, श्री गौरीशंकर कायां, श्री मोहनलाल तुलस्यान, श्री सीताराम शर्मा, श्री भानीराम सुरेका, श्री रामअवतार पोद्दार, श्री हरिप्रसाद कानोड़िया, श्री हरिप्रसाद अग्रवाल, श्री नंदलाल रुँगटा, श्री द्वारका प्रसाद डाबड़ीवाल, श्री सतीश देवड़ा, श्री गजाधर सलारपुरिया, श्री विश्वम्भर दयाल सुरेका, श्री सत्यनारायण अग्रवाल और श्री जगदीशचन्द्र एन. मूँधड़ा। ९ कट्ठा १२ छंटाक एवं ६ वर्गफीट की यह भूमि कोलकाता के महात्मा गांधी रोड एवं राजा राममोहन सरणी के मोड़ पर स्थित है, जो सियालदह रेलवे स्टेशन से भी नजदीक है।

सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य है समाज सुधार। इस सिलसिले में स्थापना काल से ही सम्मेलन ने इन कार्यों को महत्व दिया है। आज हम वैवाहिक कार्यक्रमों में दिखावा एवं फिजूलखर्ची की बात करते हैं। किन्तु कोलकाता शहर में आज विभिन्न सांस्कृतिक एवं धार्मिक कार्यक्रम के नाम पर लाखो खर्च हो रहे हैं। इन कार्यक्रमों में जो खर्च हो रहा, वह फिजूलखर्ची कहा जा सकता है या नहीं, प्रत्येक व्यक्ति को इस विषय में विचार करना चाहिए। छोटे से छोटे कार्यक्रम में लाखों का खर्च होना आम बात हो गया है। यह खर्च का औचित्य सिर्फ अपनी अहंतुष्टि के अलावा कुछ भी नहीं है। धर्म के नाम पर हो रहे इस दिखावे को रोकना सभी का कर्तव्य है। समाज में आज कई समस्याएँ है। हम यह जानते हैं कि सभी समाजबंधु धनी नहीं हैं, न ही सभी व्यवसायी हैं। समाज का एक बड़ा तबका है जो अपनी अस्तित्वरक्षा के लिए संघर्षरत है। समाज में शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास की बहुत बड़ी समस्या विद्यमान है। हमारा समाज कमाता भी है एवं उसे दान में भी देता है। किन्तु इस तरह के फिजूलखर्ची के कारण हमारी छवि धूमिल होती है। सामाजिक परिप्रेक्ष्य से हम किसी पर कोई दबाव नहीं डाल सकते। हमारा यह अनुरोध है कि इस विषय में सभी समाजबंधुओं को संयम बरतना चाहिए।

सम्मेलन भवन निर्माण के लिये भूमिपूजन

१९३५ में स्थापित अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का कोलकाता में जल्द ही ५ मंजिला भवन बनकर तैयार होगा, जिसका आगाज गत २० जुलाई २०१८, शुक्रवार को भूमिपूजन से हुआ। भागवताचार्य पं. मालीराम शास्त्री ने सम्मेलन के पूर्व अध्यक्ष **श्री सीताराम शर्मा सपत्नीक** से वैदिक रीति से पूजा कराई।

इस मौके पर श्री शर्मा ने कहा कि करीब १५ हजार वर्ग फीट के इस भवन का निर्माण सम्मेलन के पूर्व अध्यक्ष **श्री नंदलाल रुंगटा** के आर्थिक सहयोग से उनके पिता स्व. सीताराम रुंगटा (सम्मेलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रहे) की स्मृति में किया जाएगा।

भवन का नाम '**सीताराम रुंगटा मारवाड़ी सम्मेलन भवन**' रखा जाएगा। इसका निर्माण सम्मेलन के ट्रस्ट मारवाड़ी सम्मेलन फाउंडेशन के अंतर्गत होगा।

इस भवन में कम्युनिटी और कान्फ्रेंस हॉल, पुस्तकालय, फोटो गैलरी, अतिथिगृह के साथ छात्रावास बनाने की योजना है। उन्होंने बताया कि अम्हर्स्ट स्ट्रीट (अब राजा राममोहन राय सरणी) में स्थित करीब १० कट्टे में निर्मित इस पुराने मकान को २००३ में सम्मेलन के ट्रस्ट मारवाड़ी सम्मेलन फाउंडेशन के अंतर्गत खरीदा गया था। शर्मा ने इस संबंध में **श्री सुदर्शन कुमार बिड़ला, श्री नंदकिशोर जालान और श्री इंद्रचंद संचेती** की सम्मेलन को प्राथमिकता देने में विशेष भूमिका का स्मरण किया। इस पुराने मकान को करीब ३० लाख रुपए में बिड़ला परिवार के ट्रस्ट हिन्दू

इंडस्ट्रियल इंस्टीच्यूट से खरीदा गया था।

पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री रामअवतार पोद्दार** ने बताया कि कोलकाता में सम्मेलन भवन का निर्माण एक पुराना सपना रहा है, जो अब पूर्ण होने जा रहा है। दो साल पहले शेक्सपीयर सरणी में केन्द्रीय कार्यालय भी खरीदा गया था। सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री संतोष सराफ** ने बताया कि २०२० तक यह भवन बनकर तैयार हो जाएगा। भवन के निर्माण पर करीब ४ करोड़ खर्च का अनुमान है।

इस मौके पर सम्मेलन के निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री प्रह्लाद राय अगरवाला, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया, राष्ट्रीय महामंत्री श्री श्रीगोपाल झुनझुनवाला, संयुक्त मंत्री श्री संजय हरलालका, श्री दामोदर प्रसाद बिदावतका, संगठन मंत्री श्री गोपाल अग्रवाल, कोषाध्यक्ष श्री कैलाशपति तोदी, फाइनेंस कमेटी के चेयरमैन श्री आत्माराम सोंथलिया, पूर्व महामंत्री

श्री भानीराम सुरेका, श्री शिवकुमार लोहिया, पश्चिम बंगाल के अध्यक्ष श्री नंदकिशोर अग्रवाल, सर्वश्री राजकुमार केडिया, सतीश देवड़ा, बसंत मित्तल, संदीप अग्रवाल, राजेश पोद्दार, रामनाथ झुनझुनवाला, नरेन्द्र कुमार तुलस्यान आदि मौजूद थे।

भूमि पूजन समारोह में भवन निर्माणार्थ ईंट भेंट करते...

श्री प्रह्लाद राय अग्रवाला

श्री रामअवतार पोद्दार

श्री गोवर्धन प्र. गाड़ोदिया

श्री श्रीगोपाल झुनझुनवाला

श्री संजय हरलालका

श्री दामोदर प्र. विदावतका

श्री गोपाल अग्रवाल

श्री कैलाशपति तोदी

श्री शिव कुमार लोहिया

श्री भानीराम सुरेका

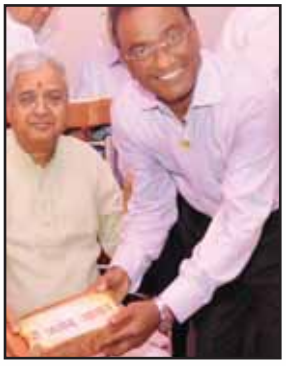
श्री अशोक जालान

श्री निर्मल काबरा

श्री नंदकिशोर अग्रवाल

श्री आत्माराम सोंथलिया

श्री बसंत कुमार मित्तल

श्री रामनाथ झुनझुनवाला

श्री नरेन्द्र तुलस्यान

Over ₹1,50,000 crores
worth of disbursements made.

Over ₹40,000 crores
worth of assets under management.

Over 72,000
entrepreneurs empowered.

Only 1 name
partnering with India's dream
towards a better future.

Kanoria Foundation
WORK WITH DEVOTION

SREI
Together We Make Tomorrow Happen
www.srei.com

Srei Infrastructure Finance Limited
Srei Equipment Finance Limited

INFRASTRUCTURE PROJECT FINANCE, ADVISORY AND DEVELOPMENT | INFRASTRUCTURE EQUIPMENT FINANCE
ALTERNATIVE INVESTMENT FUND | CAPITAL MARKET | INSURANCE BROKING

केशरी नाथ त्रिपाठी
राज्यपाल, पश्चिम बंगाल

सत्यमेव जयते

राजभवन
कोलकाता ७०००६२

०८ जून, २०१८

संदेश

मुझे यह जानकर अत्यंत प्रसन्नता हुई है कि अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के २५वें राष्ट्रीय अधिवेशन का आयोजन किया जा रहा है तथा इस अवसर पर सम्मेलन की मासिक पत्रिका 'समाज विकास' के एक विशेषांक का प्रकाशन भी किया जायेगा।

मैं इस समारोह के सफल आयोजन एवं विशेषांक के सफल प्रकाशन के लिए अपनी शुभकामनाएँ प्रेषित करता हूँ।

शुभकांक्षी

केशरी नाथ त्रिपाठी

केशरी नाथ त्रिपाठी

स्थापित : १९३५ फोन : (०३३) ४००४ ४०८९ ई-मेल : aimf1935@gmail.com वेबसाईट : www.marwarisammelan.com

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन
ALL INDIA MARWARI FEDERATION

(Regd. under W.B. Societies Act XXVI of 1961)
४बी, डकबैक हाउस (चौथा तल्ला), ४१, शेक्सपीयर सरणी, कोलकाता - ७०० ०१७
4B, Duckback House (4th Floor), 41, Shakespeare Sarani, Kolkata - 700 017

प्रमुख उद्देश्य
समाज सुधार, समरसता,
राजनैतिक चेतना एवं राष्ट्रीय एकता

राष्ट्रीय अध्यक्ष
संतोष सराफ
9830021319

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष
विवेक गुप्त
9830336200
गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया
9431582989
राज कुमार पुरोहित
9821243352
विजय कुमार किशोरपुरिया
9234667111
अनिल कुमार जाजोदिया
9415201641
पवन कुमार गोयनका
9312509329

राष्ट्रीय महामंत्री
श्रीगोपाल झुनझुनवाला
9331017416

राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री
संजय हरलालका
9804154115
दामोदर प्रसाद बिदावतका
9331015088

राष्ट्रीय संगठन मंत्री
गोपाल अग्रवाल
9331016950

राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष
कैलाशपति तोदी
9830044079

प्रादेशिक शाखा सम्मेलन
बिहार, झारखण्ड, पश्चिम बंग, उत्कल, पूर्वोत्तर, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, उत्तराखण्ड, मध्य प्रदेश, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, कर्नाटक एवं गुजरात।

Contributions exempted under Section 80G of Income Tax Act

अ.भा.मा.स./३४/२०१८-१९ २० अगस्त २०१८

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के सभी सदस्यों की सेवा में

माननीय महोदय,

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की वार्षिक साधारण सभा शनिवार, २२ सितम्बर २०१८ को अपराह्न ३ बजे सम्मेलन कार्यालय सभागार (डकबैक हाउस, ४१ शेक्सपीयर सरणी, कोलकाता - ७०० ०१७) में निम्नलिखित विषयों पर विचारार्थ आयोजित की गयी है।

सभा की अध्यक्षता सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोष सराफ करेंगे।

सभी सदस्य सादर आमंत्रित हैं।

भवदीय,

(श्रीगोपाल झुनझुनवाला)
राष्ट्रीय महामंत्री

विचारार्थ विषय:

१. महामंत्री की रपट।
२. पिछली बैठक का कार्यवृत पारित करना।
३. सम्मेलन के वित्तीय वर्ष २०१७-१८ के आय-व्यय का लेखा-जोखा तथा संतुलन पत्र, जो लेखा परीक्षकों द्वारा जाँचा गया है, को स्वीकृत करना।
४. सम्मेलन के वित्तीय वर्ष २०१७-१८ के क्रियाकलापों का प्रतिवेदन प्राप्त करना और उस पर चर्चा करना।
५. लेखा परीक्षक की नियुक्ति करना।

विशेष:

१. वार्षिक साधारण सभा की सूचना की प्रति सहित वित्तीय वर्ष २०१७-१८ का वार्षिक लेखा-जोखा तथा संतुलन पत्र एवं गत बैठक के कार्यवृत की प्रतियाँ केन्द्रीय एवं सभी प्रादेशिक सम्मेलनों के कार्यालय में उपलब्ध हैं, इच्छुक सदस्य वहाँ से प्राप्त कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त इसे सम्मेलन के वेबसाईट www.marwarisammelan.com पर भी देखा जा सकता है या ई-मेल लिखकर सम्मेलन के केन्द्रीय कार्यालय से मंगवाया जा सकता है।

२. वित्तीय वर्ष २०१७-१८ के आय-व्यय के लेखा-जोखा के बारे में अगर किसी सदस्य को कोई जानकारी प्राप्त करनी हो तो कृपया १२ सितम्बर २०१८ तक लिखित तौर पर (सुविधानुसार पत्र या ईमेल द्वारा) केन्द्रीय सम्मेलन में भिजवाने का कष्ट करें।

पंजीकृत कार्यालय : १५२बी (दूसरा तल्ला), महात्मा गांधी रोड, कोलकाता - ७०० ००७, फोन : (०३३) २२६८ ०३१९
सम्मेलन भवन : २५ए, राजा राममोहन राय सरणी (अम्हर्स्ट स्ट्रीट), कोलकाता - ७०० ००९, फोन : (०३३) २३५० ९९२९

सम्मेलन के कार्यक्रमों को गति देना होगी प्राथमिकता – संतोष सराफ

नये सत्र हेतु राष्ट्रीय पदाधिकारियों की हुई घोषणा

"वर्तमान सत्र में सम्मेलन के सभी कार्यक्रमों को गति देना हमारी प्राथमिकता होगी। साथ ही समयानुकूल नये कार्यक्रम भी लिए जायेंगे। संगठन, समाज सुधार और सेवाकार्य के सम्मेलन द्वारा चलाये जा रहे कार्यक्रमों को गति देने तथा उन्हें और कारगर बनाने का हर सम्भव प्रयास होगा।" ये विचार सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री संतोष सराफ** ने गत २० जुलाई २०१८ को हिन्दुस्तान क्लब, कोलकाता में आयोजित सम्मेलन की अखिल भारतीय समिति की बैठक को सम्बोधित करते हुए व्यक्त किए।

उपस्थित सदस्यों का स्वागत करते हुए श्री सराफ ने

सर्वप्रथम राजा राममोहन राय सरणी (अम्हर्स्ट स्ट्रीट) स्थित सम्मेलन भवन का निर्माण कार्य प्रारम्भ होने पर अत्यंत प्रसन्नता व्यक्त की। ज्ञातव्य है अखिल भारतीय समिति की बैठक के पूर्व उसी दिन सम्मेलन भवन के निर्माण हेतु भूमि-पूजन सम्पन्न हुआ। श्री सराफ ने भवन-निर्माण की प्रक्रिया में व्यावधानों से पार पाने में सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्षों **श्री सीताराम शर्मा** एवं **डॉ. हरिप्रसाद कानोड़िया**, वित्तीय उपसमिति के चेयरमैन **श्री आत्माराम सोन्थलिया** एवं राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य **श्री पवन जालान** के महत्वपूर्ण योगदानों की चर्चा की एवं इनका आभार व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री नंदलाल रुँगटा** ने भवन-निर्माण का व्यय वहन करने की स्वीकृति दी है और भवन का नाम **'सीताराम रुँगटा मारवाड़ी सम्मेलन भवन'** होगा।

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोष सराफ ने वर्तमान सत्र (२०१८-२०) के लिए राष्ट्रीय पदाधिकारियों की घोषणा की, जो निम्नवत होंगे।

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष

श्री विवेक गुप्त (कोलकाता)
श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया (राँची)
श्री राज कुमार पुरोहित (मुम्बई)
श्री विजय कुमार किशोरपुरिया (पटना)
श्री अनिल कुमार जाजोदिया (वाराणसी)
श्री पवन कुमार गोयनका (दिल्ली)।

राष्ट्रीय महामंत्री

श्री श्रीगोपाल झुनझुनवाला (कोलकाता)

राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री

श्री संजय हरलालका (कोलकाता)
श्री दामोदर प्रसाद बिदावतका (कोलकाता)

राष्ट्रीय संगठन मंत्री

श्री गोपाल अग्रवाल (कोलकाता)

राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष

श्री कैलाशपति तोदी (हवड़ा, पश्चिम बंग)

गत ९-१० जून २०१८ को वाराणसी में आयोजित सम्मेलन के २५वें राष्ट्रीय अधिवेशन के भव्य एवं सफल आयोजन की चर्चा करते हुए श्री सराफ ने राष्ट्रीय उपाध्यक्ष **श्री अनिल कुमार जाजोदिया** एवं उत्तर प्रदेश सम्मेलन के अध्यक्ष **श्री उमाशंकर अग्रवाल** के कुशल नेतृत्व एवं सम्मेलन की **वाराणसी शाखा के सदस्यों** की सक्रियता हेतु सराहना की। श्री सराफ ने हजारीबाग में छः समाजबन्धुओं की संदिग्ध मृत्यु पर शोक व्यक्त किया और इस विषय में सम्मेलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष **श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया**, पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष **श्री विनय सरावगी** और झारखंड सम्मेलन के अध्यक्ष **श्री निर्मल कुमार काबरा** के नेतृत्व में उठाये गये सक्रिय कदमों की प्रशंसा की।

बैठक को सम्बोधित करते हुए सम्मेलन के पूर्व

राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री सीताराम शर्मा** ने सम्मेलन भवन निर्माण का शुभारम्भ/भूमि-पूजन के लिए सभी को बधाई दी। उन्होंने कहा कि भवन के क्रय से लेकर निर्माणकार्य प्रारम्भ होने तक में **स्व. नंदकिशोर जालान, स्व. मोहनलाल तुलस्यान, श्री इन्द्र चंद संचेती, श्री नंदलाल रुँगटा, डॉ. हरिप्रसाद कानोड़िया, श्री संतोष सराफ, श्री आत्माराम सोन्थालिया, श्री पवन जालान** आदि का सक्रिय सहयोग रहा है। उन्होंने **श्री सुदर्शन कुमार बिड़ला** का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सम्मेलन भवन हेतु यह जमीन/भवन मिलने में उनकी महती भूमिका है। श्री शर्मा ने सम्मेलन-भवन-निर्माण के व्ययवहन हेतु **श्री नंदलाल रुँगटा** का आभार व्यक्त किया और बताया कि लगभग पन्द्रह हजार वर्ग फीट मे पाँच माले के भवन के निर्माण में लगभग दो वर्ष लगेंगे और इसमें करीब चार करोड़ रूपये खर्च होंगे।

श्री शर्मा ने सम्मेलन द्वारा मेधावी और जरूरतमंद छात्र-छात्राओं को उच्च शिक्षा में मदद के कार्यक्रम को बहुत महत्वपूर्ण बताया और कहा कि सम्मेलन की समाज सुधार उपसमिति के चेयरमैन **डॉ. जुगल किशोर सर्राफ** ने उच्च शिक्षा सहयोग हेतु स्थापित कोष को बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान किया है। उन्होंने रोजगार सहायता उपसमिति के चेयरमैन **श्री दिनेश कुमार जैन** द्वारा मारवाड़ी युवक-युवतियों को रोजगार में सहायता हेतु उठाये जा रहे सक्रिय कदमों की सराहना की। श्री शर्मा ने बताया कि संसाधनहीन समाजबंधुओं की चिकित्सा में सहयोग के लिए कार्यक्रम प्रारम्भ करने की दिशा में कार्य चल रहा है और इसके लिए सम्बंधित संस्थानों से बात चल रही है।

श्री सीताराम शर्मा ने मारवाड़ी सम्मेलन महापंचायत के गठन को महत्वपूर्ण बताया और कहा कि प्रादेशिक स्तर पर पंचायतों की स्थापना हो। उन्होंने केन्द्रीय एवं प्रादेशिक सम्मेलनों के बीच संवाद एवं समन्वय को अनिवार्य बताया और प्रचारतंत्र को मजबूत करने पर बल दिया।

बैठक में अखिल भारतीय समिति की पिछली बैठक (०८ अप्रैल २०१८; भुवनेश्वर) का कार्यवृत पारित हुआ। राष्ट्रीय महामंत्री **श्री श्रीगोपाल झुनझुनवाला** ने पिछली बैठक के बाद से अब तक के सम्मेलन के क्रियाकलापों पर **'महामंत्री की रपट'** प्रस्तुत की।

कार्यसूची के अनुसार, राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति के गठन के विषय में विचार-विमर्श हुआ और सर्वसम्मति से राष्ट्रीय कार्यकारिणी के गठन का अधिकार राष्ट्रीय अध्यक्ष को दिया गया।

कार्यसूची के अनुसार, सम्मेलन के बैंक-खाताओं के संचालन के अधिकार के विषय में विचार-विमर्श हुआ और यह निर्णय लिया गया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष, राष्ट्रीय महामंत्री, वित्तीय उपसमिति के चेयरमैन और राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष, बैंक-खाताओं के संचालन से सम्बंधित प्रपत्रों पर हस्ताक्षर हेतु अधिकृत होंगे तथा इनमें से किन्हीं दो के हस्ताक्षर होने पर ही कोई प्रपत्र मान्य होगा।

सम्मेलन के राष्ट्रीय संगठन मंत्री **श्री गोपाल अग्रवाल** ने कहा कि सम्मेलन की प्रगति के लिए संगठन की मजबूती आवश्यक है। उन्होंने कहा कि भंग प्रादेशिक शाखाओं का पुनर्गठन एवं अपेक्षाकृत कम सक्रिय प्रादेशिक शाखाओं को सक्रिय करना तथा वहाँ संगठन का विस्तार उनकी प्राथमिकताएँ होंगी। श्री अग्रवाल ने कहा कि वे प्रान्तों के दौरों सहित संगठन-विस्तार हेतु हर सम्भव प्रयत्न करेंगे।

पश्चिम बंग सम्मेलन के अध्यक्ष **श्री नंदकिशोर अग्रवाल** ने अपने प्रदेश के कार्यकलापों के विषय में जानकारी दी और कहा कि वे पश्चिम बंग के हर जिले में कम से कम एक शाखा खोलने का प्रयास करेंगे।

झारखंड सम्मेलन के अध्यक्ष **श्री निर्मल कुमार काबरा** ने मारवाड़ी भाषा के उपयोग और प्रचार-प्रसार पर बल दिया। हजारीबाग में समाज के एक ही परिवार के छः सदस्यों की अस्वाभाविक मौत के विषय में बताते हुए श्री काबरा ने बताया कि झारखंड सम्मेलन ने अपने संगठन के बल पर प्रशासन पर अच्छा दबाव बनाया और उच्च पुलिस अधिकारियों ने समुचित

कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

उत्कल सम्मेलन के अध्यक्ष **श्री अशोक कुमार जालान** ने कहा कि जिन राज्यों से कोई राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मनोनीत नहीं हुआ है, वहाँ एक प्रभारी/समन्वयक का मनोनयन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि महिला सम्मेलन एवं युवा मंच की सक्रिय भागेदारी हमें अपने कार्यक्रमों में सुनिश्चित करनी चाहिए। श्री जालान ने छात्र-छात्राओं हेतु, छात्रावासों की स्थापना पर भी बल दिया।

संगठन के विषय पर बोलते हुए श्री अशोक कुमार जालान ने सदस्यता-विस्तार के अभियानों को आवश्यक बताया और कहा कि उत्कल सम्मेलन ने वर्तमान वर्ष में कम से कम एक हजार सदस्य बनाने का लक्ष्य रखा है।

मध्य प्रदेश सम्मेलन के अध्यक्ष **श्री कमलेश नाहटा** के केन्द्रीय एवं प्रादेशिक चुनाव एक साथ कराने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि वे मध्य प्रदेश सम्मेलन के संगठन-विस्तार के लिए यथासम्भव प्रयास करेंगे। बैठक में **सर्वश्री जगदीश चन्द्र एन. मूँधड़ा, राज कुमार केडिया, भानीराम सुरेका, गौरीशंकर अग्रवाल** एवं **गणेश कुमार खेमका** ने भी अपने संक्षिप्त विचार रखे।

धन्यवाद-ज्ञापन करते हुए सम्मेलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष **श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया** ने राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पद पर अपने मनोनयन के लिए राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोष सराफ का आभार व्यक्त किया। उन्होंने आशा व्यक्त की कि वर्तमान सत्र में सम्मेलन पूरी गति से अपने कार्यक्रमों को आगे बढ़ायेगा और नयी ऊँचाइयाँ प्राप्त करेगा।

बैठक में समाज सुधार उपसमिति के चेयरमैन **डॉ. जुगल किशोर सर्राफ**, वित्तीय उपसमिति के चेयरमैन **श्री आत्माराम सोन्थलिया, संविधान संशोधन एवं राजनैतिक चेतना उपसमिति के चेयरमैन श्री नंदलाल सिंघानिया, रोजगार सहायता उपसमिति के चेयरमैन श्री दिनेश कुमार जैन, संयुक्त महामंत्री श्री संजय हरलालका एवं श्री दामोदर प्र. बिदावतका, कोषाध्यक्ष श्री कैलाशपति तोदी, सर्वश्री शिव कुमार लोहिया, बसंत मित्तल, विष्णु दयाल अग्रवाल, रविशंकर शर्मा, गोविन्द अग्रवाल, संदीप सेक्सरिया, सुशील अग्रवाल, गोपी धुवालिया, महावीर मणक्सिया, विनोद देबुका, महेन्द्र भगानिया, कान्ति चन्द्र गोयनका, राजेश प्रसाद सुरेका, सांवरमल शर्मा, जयगोविन्द इन्दौरिया, प्रेमचन्द सुरेलिया, राजेश पोद्दार, बालकृष्ण महेश्वरी, मनोज चाँदगाठिया, राधाकिशन सफ्फड़, सुरेश अगरवाल, संजय शर्मा, रामनिवास शर्मा 'चोटिया', राम कैलाश गोयनका, सुभाष चन्द्र सर्राफ** आदि उपस्थित थे।

भारतीय परंपरा का वैज्ञानिक पहलू

माथे पर कुमकुम/तिलक

महिलाएं एवं पुरुष माथे पर कुमकुम या तिलक लगाते हैं।

वैज्ञानिक तर्क : आंखों के बीच में माथे तक एक नस जाती है। कुमकुम या तिलक लगाने से उस जगह की ऊर्जा बनी रहती है। माथे पर तिलक लगाते वक्त जब अंगूठे या उंगली से प्रेशर पड़ता है, तब चेहरे की त्वचा को रक्त सप्लाई करने वाली मांसपेशी सक्रिय हो जाती है। इससे चेहरे की कोशिकाओं तक अच्छी तरह रक्त पहुंचता है।

जमीन पर बैठकर भोजन

भारतीय संस्कृति के अनुसार जमीन पर बैठकर भोजन करना अच्छी बात होती है

वैज्ञानिक तर्क : पलती मारकर बैठना एक प्रकार का योग आसन है। इस पोजीशन में बैठने से मस्तिष्क शांत रहता है और भोजन करते वक्त अगर दिमाग शांत हो तो पाचन क्रिया अच्छी रहती है। इस पोजीशन में बैठते ही खुद-ब-खुद दिमाग से एक सिगनल पेट तक जाता है, कि वह भोजन के लिये तैयार हो जाये।

हाथ जोड़कर नमस्ते करना

जब किसी से मिलते हैं तो हाथ जोड़कर नमस्ते अतवा नमस्कार करते हैं।

वैज्ञानिक तर्क : जब सभी उंगलियों के शीर्ष एक दूसरे के संपर्क में आते हैं और उन पर दबाव पड़ता है। एक्यूप्रेशर के कारण उसका सीधा असर हमारी आंखों, कानों और दिमाग पर होता है, ताकि सामने वाले व्यक्ति को हम लंबे समय तक याद रख सकें। दूसरा तर्क यह कि हाथ मिलाने (पश्चिमी सभ्यता) के बजाये अगर आप नमस्ते करते है तो सामने वाले के शरीर के कीटाणु आप तक नहीं पहुंच सकते। अगर सामने वाले को स्वाइन फ्लू भी है तो भी वह वायरस आप तक नहीं पहुंचेगा।

भोजन की शुरुआत तीखे से और अंत मीठे से

जब भी कोई धार्मिक या पारिवारिक अनुष्ठान होता है तो भोजन की शुरुआत तीखे से और अंत मीठे से होता है।

वैज्ञानिक तर्क : तीखा खाने से हमारे पेट के अंदर पाचन तत्व एवं अम्ल सक्रिय हो जाते हैं इससे पाचन तंत्र ठीक से संचालित होता है अंत में मीठा खाने से अम्ल की तीव्रता कम हो जाती है इससे पेट में जलन नहीं होती है।

IISD Edu World
Be a Leader...

SREI Foundation

"Educate Morally & Technically" — Swami Vivekananda

Swami Vivekananda SREI Merit Scholarship upto 100% Quality Education at most affordable fees

Hospitality

Hospitality Management & Culinary Arts

Newly Introduced

BTED – HND in Hospitality Management

awarded by EDEXCEL, UK (A Pearson Global Education Undertaking)

Language School

- Functional English
- Spanish
- Russian
- Chinese
- French
- Hindi
- SANSKRIT
- Spoken English
- Italian
- German
- Persian
- Bahasa (Indonesia)
- Bengali

Assistance for placement

- Complementary Spoken English
- Online Application Facility
- Regular/Weekend Classes
- AC Classrooms
- P G Accommodation

Centre for Administrative Services / WBCS

Course Director: Dr.Bikram Sarkar (IAS retd.)

- Indian Administrative Service (IAS) and Allied Services Examinations (Prelim and Main)
- WBCS (Executive) and Judicial Services Examinations (Prelim and Main)

Health Care

Preparatory course for Joint Entrance of MD/MS, DNB and MRCP (Part-I) Medicine

"Family Medicine Certificate Course (First Aid)

Business School

- AIMA recognized PGDM (2Yrs.)
- Tally ERP 9+GST
- Company Secretaryship
- Chartered Accountancy (CPT, IPCC & Final)
- Entrepreneurship Development
- Diploma in Banking and Finance

Skills

- Web Technology
- Certificate course on Theology
- Soft Skills
- Vocational & Technical Training
- Montessori Teacher Training (1 Year Diploma)
- Certificate Course on Computer Applications
- School Guide
- Bachelor Guide

IISD EDU World

IB-200/1, Sector-III, Salt Lake, Kolkata - 700 106
Ph : 2335 2378/2861, Fax : 2335 2379
E-Mail : info@iisdedu.in ● Website : www.iisdedu.in

18, Ballygunge Circular Road, Kolkata-700019
Website : www.iisdeduworld.com
Email : iisdedu@gmail.com
Ph : 46001626 / 27

प्रादेशिक सम्मेलनों, शाखाओं एवं सदस्यों से पुरस्कारों हेतु मनोनयन का अनुरोध

रामनिवास आशारानी लाखोटिया
राजस्थानी व्यक्तित्व सम्मान

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन एवं दिल्ली की समाजसेवी संस्था रामनिवास आशारानी लाखोटिया ट्रस्ट के संयुक्त तत्वाधान में राजस्थानी मूल के एक व्यक्ति को समाज के प्रति विशिष्ट योगदान हेतु सम्मानित करने के लिए इस सम्मान की स्थापन की गयी है। यह सम्मान सम्मेलन के ८४वें स्थापना दिवस, २५ दिसम्बर २०१८, के अवसर पर प्रदान किया जाएगा। इसके अन्तर्गत मानपत्र एवं १,००,००० रुपये की सम्मान-राशि के अतिरिक्त समारोह स्थल तक पधारने एवं लौटने हेतु मार्गव्यय एवं निवास आदि की व्यवस्था भी दी जाती है।

सीताराम रुँगटा
राजस्थानी भाषा-साहित्य सम्मान

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के पूर्व उपाध्यक्ष एवं बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के पूर्व अध्यक्ष स्व. सीताराम रुँगटा की स्मृति में राजस्थानी भाषा की श्रीवृद्धि एवं प्रोत्साहन हेतु राजस्थानी साहित्यकारों को देने के लिए इस सम्मान की स्थापना की गई है। यह सम्मान सम्मेलन के ८४वें स्थापना, २५ दिसम्बर २०१८, के अवसर पर प्रदान किया जायेगा। इसके अन्तर्गत मानपत्र एवं २१,००० रुपये की सम्मान-राशि के अतिरिक्त समारोह स्थल तक पधारने एवं लौटने हेतु मार्गव्यय एवं निवास आदि की व्यवस्था भी दी जाती है।

केदारनाथ भागीरथी देवी कानोड़िया
राजस्थानी भाषा बाल-साहित्य सम्मान

सुप्रसिद्ध उद्योगपति एवं समाजसेवी स्व. केदारनाथ कानोड़िया एवं उनकी धर्मपत्नी स्व. भागीरथी देवी कानोड़िया की स्मृति में राजस्थानी भाषा बाल-साहित्य की श्रीवृद्धि एवं प्रोत्साहन हेतु इस सम्मान की स्थापना की गयी है। यह सम्मान सम्मेलन के ८४वें स्थापना दिवस, २५ दिसम्बर २०१८, के अवसर पर प्रदान किया जायेगा। इसके अन्तर्गत मानपत्र एवं २१,००० रुपये की सम्मान-राशि के अतिरिक्त समारोह स्थल तक पधारने एवं लौटने हेतु मार्गव्यय एवं निवास आदि की व्यवस्था भी दी जाती है।

भंवरमल सिंघी
समाज-सेवा सम्मान

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के पूर्व अध्यक्ष एवं समाजसेवी स्व. भंवरमल सिंघी की स्मृति में गठित भंवरमल सिंघी समाज सेवा न्यास द्वारा स्थापित, समाज सुधार के क्षेत्र में विशेष योगदान के लिए एक व्यक्ति/संस्था को दिया जाने वाला 'भंवरमल सिंघी समाज सेवा सम्मान' सम्मेलन के ८४वें स्थापना दिवस, २५ दिसम्बर २०१८, के अवसर पर प्रदान किया जायेगा। इसके अन्तर्गत मानपत्र एवं ११,००० रुपये की सम्मान-राशि के अतिरिक्त समारोह स्थल तक पधारने एवं लौटने हेतु मार्गव्यय एवं निवास आदि की व्यवस्था भी दी जाती है।

प्रादेशिक सम्मेलनों, शाखा सभाओं एवं सदस्यों से उक्त सम्मानों हेतु उपयुक्त व्यक्ति/संस्था का नाम प्रस्तावित कर केन्द्रीय कार्यालय [४बी, डकबैक हाउस, ४१, शेक्सपीयर सरणी, कोलकाता - ७०००१७; दूरभाष : (०३३) ४००४ ४०८९; ईमेलः aimf1935@gmail.com] को १५ अक्तूबर २०१८ तक भेजने का सादर अनुरोध है।

रमेश कुमार बंग तेलंगाना प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के प्रथम अध्यक्ष निर्वाचित

नवगठित तेलंगाना प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष रमेश कुमार बंग का सम्मान करते हुए अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष गोवर्धन प्रसाद गाडोदिया, साथ में रामपाल अट्टल।

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद गाडोदिया की उपस्थिति में गत २ अगस्त २०१८ को नवगठित तेलंगाना प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के प्रथम अध्यक्ष के रूप में कर्मठ एवं उत्साही समाजसेवी श्री रमेश कुमार बंग को सर्वसम्मति से निर्वाचित किया गया।

हैदराबाद में बशीरबाग स्थित जाखोटिया आर्केड में सम्पन्न बैठक में उपस्थित सदस्यों को सम्बोधित करते हुए श्री गोवर्धन प्रसाद गाडोदिया ने कहा कि १९३५ में स्थापित अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन प्रवासी राजस्थानियों की एकमात्र प्रतिनिधि संस्था है। इस संस्था की स्थापना ब्रिटीश शासन काल में प्रवासी राजस्थानियों को मताधिकार दिलाने के उद्देश्य से हुई थी। संस्था द्वारा किए गये देशव्यापी आंदोलन के बाद प्रवासी राजस्थानियों को मतदान का अधिकार मिला था। सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य है बिना किसी धार्मिक या जातिगत भेदभाव के राष्ट्र में आर्थिक, शैक्षणिक, बौद्धिक, सांस्कृतिक व सामाजिक विकास हेतु कार्य करना।

समाज में व्याप्त कुरीतियों का उन्मूलन करने का प्रयास करना, विवाहादि अवसरों पर दिखावा, आडम्बर, बढ़ते हुए विवाह-विच्छेद, बिखरते परिवार, सामाजिक आयोजनों पर मद्यपान जैसी ज्वलंत बुराईयों पर विचार गोष्ठियों के माध्यम से जनजागृति लाना। श्री गाड़ोदिया ने बताया कि संगठित समाज की सशक्त आवाज कहीं भी, किसी भी परिस्थिति में प्रभावशाली होती है।

श्री गाड़ोदिया ने कहा कि सम्मेलन का शीर्ष नेतृत्व मारवाड़ी भाषा, साहित्य व संस्कृति के विकास, संरक्षण एवं प्रसार हेतु सार्थक पहल कर रहा है।

श्री गाड़ोदिया ने कहा कि वर्तमान में समाज में जो संगठन काम कर रहे हैं वे जातिगत दायरे तक सीमित हो रहे हैं। मारवाड़ी सम्मेलन इन सभी संस्थाओं में परस्पर समन्वय, सहभागिता से सम्पूर्ण मारवाड़ी समाज के सर्वांगीण विकास हेतु एक सशक्त मंच एवं माध्यम है।

नवनिर्वाचित अध्यक्ष श्री रमेश कुमार बंग ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि परिवर्तन के इस दौर में सामाजिक एकजुटता ही सबको सम्बल प्रदान करती है तथा व्याप्त हो रही कुरीतियों के उन्मूलन का सार्थक परिणाम दे सकती है।

सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोष सराफ ने श्री रमेश कुमार बंग को निर्वाचन पर फोन पर बधाई देते हुए कहा कि तेलंगाना प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन एक मार्गदर्शक संगठन सिद्ध होगा।

श्री बंग ने विश्वास दिलाते हुए कहा कि वे मारवाड़ी समाज के हर तबके को साथ लेकर राष्ट्रीय संगठन की अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए संकल्पबद्ध हैं।

कार्यक्रम का संचालन श्री रामपाल अट्टल ने किया तथा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष का परिचय दिया।

बैठक में सर्वश्री ओम प्रकाश जाखोटिया, अशोक बरमेचा, भगवान दास विजयवर्गीय, वृजगोपाल असावा, लक्ष्मीनारायण राठी, सीए मधुसुदन बंसल, सीए राजेश व्यास, किशोर संचेती, जगदीश प्रसाद मायछ, मदनगोपाल व्यास, सतीश सरायवाला, बजरंगलाल अग्रवाल (रामगढ़, झारखंड), अजीत कुमार वर्मा, गोपाल परवाल, रमेश गांधी, लक्ष्मीनिवास सारडा, प्रमोद जैन, गिरीश जैन, सुमीत अग्रवाल, रामानुज सारडा, वेणुगोपाल लोया, लक्ष्मीकांत मूथा, कन्हैयालाल पाण्डेय, राजेश अग्रवाल, अनुप माखरिया आदि उपस्थित थे।

A journey that started fifty four years ago is today a legacy called HARTEX. Setting standards in the domestic market, HARTEX has established itself internationally for its superior quality and reliability. In fact, the many milestones HARTEX has achieved, including products, are customer focused.

So, come join the journey of success.

HARTEX

Hartex Rubber Private Limited, 8-2-472, Road No. 1, Banjara Hills,
GVC Square, 4th floor, Hyderabad 500034, India. Ph +91 40 32900866, 32930866

www.hartex.in

SUREKA

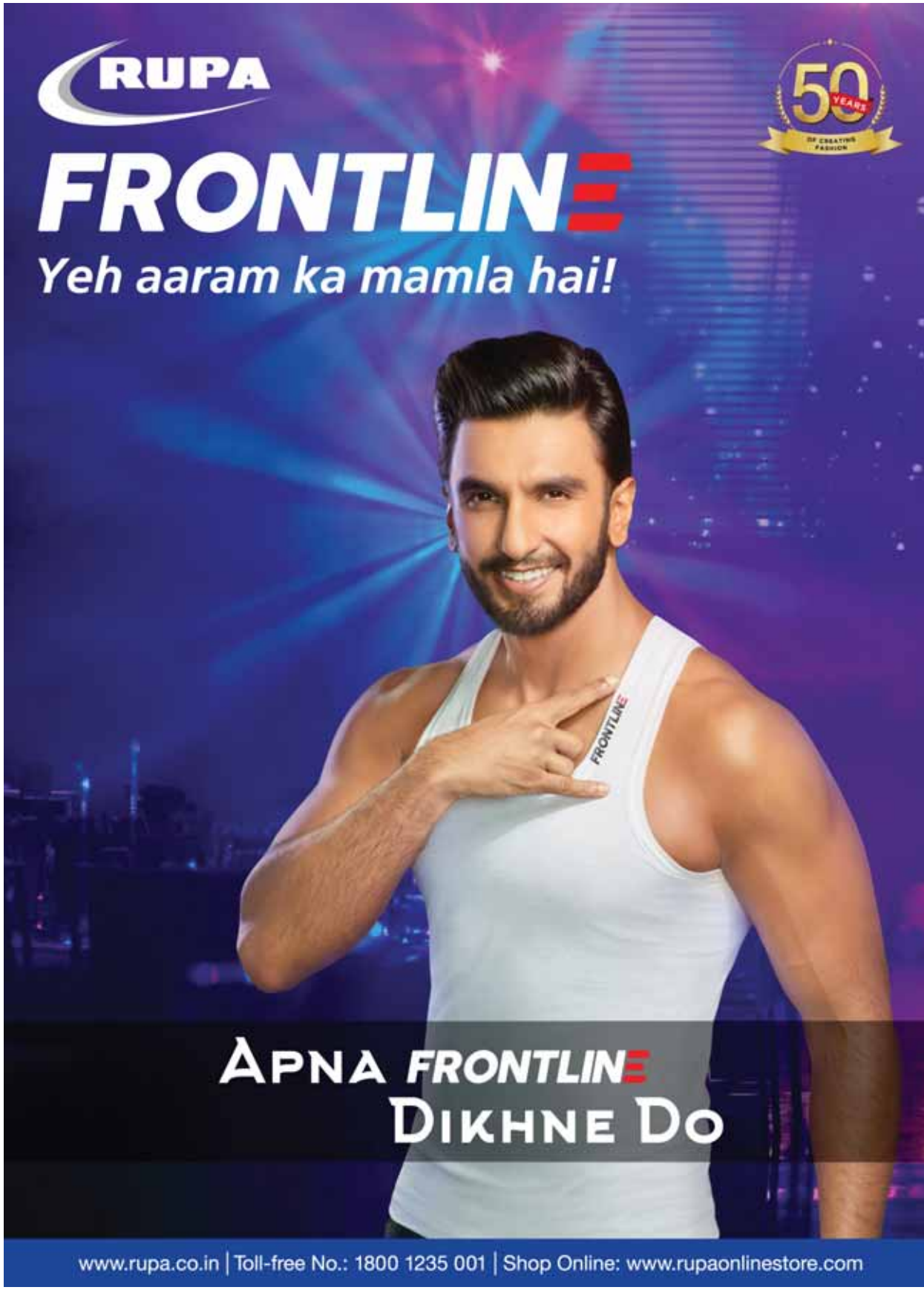

RUPA
50 YEARS
FRONTLINE
Yeh aaram ka mamla hai!
FRONTLINE
APNA FRONTLINE
DIKHNE DO
www.rupa.co.in | Toll-free No.: 1800 1235 001 | Shop Online: www.rupaonlinestore.com

With Best Compliments From:

ROAD CARGO MOVERS PVT. LTD.

Head Office : 3, Gibson Lane, 2nd Floor
Suite-211, Kolkata-700 069

Phone : 2210-3480, 2210-3485

Fax : 2231-9221

E-mail: roadcargo@vsnl.net

Branches & Associates:

GUWAHATI, SILIGURI, DURGAPUR, HALDIA, KHARAGPUR,

BALASORE, BHUBNESWAR, CUTTUCK, ICCAPURAM, VISHAKAPATNAM,

VIJAYWADA, HYDERABAD, CHENNAI, BANGALORE, COCHIN, GAZIABAD (U.P. BORDER), INDORE

Translating dreams into reality

for a perpetual smile on every face

S. R. RUNGTA GROUP

Cares for the land and its people

MINING. STEEL & POWER

Rungta House, Chaibasa, Jharkhand - 833201

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन एवं महिला सम्मेलन की बैठक

समाज सुधार के मुद्दों पर मंथन

वैवाहिक समारोह में मद्यपान, बारात में सड़कों पर महिलाओं द्वारा किये जाने वाले नृत्य, प्री-वेडिंग शूट, दिखावा हो बंद

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के पूर्व अध्यक्ष सीताराम शर्मा की पहल पर मारवाड़ी सम्मेलन एवं अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन के शीर्ष नेतृत्व के बीच डकबैक हाउस स्थित सम्मेलन के केन्द्रीय सभागार में एक बैठक हुई।

बैठक में सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष संतोष सराफ, पूर्व अध्यक्ष रामअवतार पोद्दार तथा मारवाड़ी महिला सम्मेलन की राष्ट्रीय अध्यक्षा उषा किरन टिबड़ेवाल ने समाज सुधार सहित अन्य मुद्दों पर लम्बी चर्चा की। टिबड़ेवाल असम के तेजपुर से आई थीं।

इस बैठक में सम्मेलन के राष्ट्रीय महामंत्री श्रीगोपाल झुनझुनवाला, राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री संजय हरलालका एवं दामोदर प्रसाद बिदावतका, राष्ट्रीय संगठन मंत्री गोपाल अग्रवाल, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष कैलाशपति तोदी, फाईनेन्स कमेटी के चेयरमैन आत्माराम सोन्थलिया उपस्थित थे। वहीं महिला सम्मेलन की ओर से पटना से आई निर्वतमान राष्ट्रीय अध्यक्षा मीना गुप्ता, राष्ट्रीय उपाध्यक्षा मंजु यादुका, कोलकाता शाखा की अध्यक्षा मंजूश्री गुप्ता, सचिव पूनम अग्रवाल, आगामी राष्ट्रीय अध्यक्षा शारदा लाखोटिया, पश्चिम बंग मारवाड़ी सम्मेलन की आगामी अध्यक्ष रेणु अग्रवाल तथा कोलकाता शाखा की पूर्व अध्यक्षा विनिता अग्रवाल उपस्थित थी।

कई मसलों पर विचार

बैठक में समाज के दोनों मुख्य संस्थाओं के बीच अनेक मुद्दों पर लम्बी चर्चा हुई। अंत में वैचारिक तौर पर आपसी सहमति हुई कि वैवाहिक समारोह में मद्यपान, बारात में सड़कों पर महिलाओं द्वारा किये जाने वाले नृत्य, प्री-वेडिंग शूट, दिखावा - आडम्बर जैसे समाज सुधार मूलक मुद्दों पर महिला सम्मेलन पूरे देश में अपनी प्रादेशिक इकाईयों एवं शाखाओं के माध्यम से जागरूकता अभियान चलाएगा। इसके लिए गोष्ठियों के अलावा बैनर, पम्फलेट, पर्चे आदि का सहारा लिया जाएगा।

बैठक में चर्चा

बैठक में चर्चा हुई कि पूरे देश में मारवाड़ी सम्मेलन एवं महिला सम्मेलन एक-दूसरे को शाखाएँ खोलने में मदद करे। इन कार्यों में सम्मेलन अपने स्तर पर उनकी मदद करेगा। इसके साथ ही यह भी प्रस्ताव आया कि मारवाड़ी सम्मेलन, मारवाड़ी युवा मंच एवं महिला सम्मेलन के शीर्ष नेतृत्व की बैठक सम्मेलन की पहल पर आहूत की जाए, जिसमें संगठित होकर कार्य करने की रूपरेखा तय हो। सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष संतोष सराफ को इस बैठक को आहूत का भार दिया गया।

सम्मेलन के पूर्व अध्यक्ष नन्दलाल रुँगटा के कार्यकाल (२००८-१०) में भी तीनों सम्मेलनों को एक मंच पर लाकर कार्य करने की दिशा में पहल शुरू हुई थी। बाद में पूर्व अध्यक्ष डॉ. हरिप्रसाद कानोड़िया, रामअवतार पोद्दार तथा निर्वतमान अध्यक्ष प्रह्लादराय अगरवाला ने भी अपने-अपने स्तर पर प्रयास किए थे ताकि समाज के तीनों प्रमुख घटक संगठित समाज, सशक्त आवाज की दिशा में मिलकर कार्य कर सकें। पूरे देश में प्रादेशिक एवं शाखा स्तर पर ये सभी संगठन मिलजुलकर कार्य कर भी रहे हैं।

पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन का प्रतिभा सम्मान

छात्र-छात्राओं के भविष्य निर्माण के लिए मारवाड़ी सम्मेलन की सोच सार्थक : मंत्री साधन पांडे

समाज को एकजुट करना लक्ष्य : नंदकिशोर अग्रवाल

"बच्चे देश का भविष्य हैं, ऐसा हम सब कहते और मानते हैं किन्तु इस दिशा में समर्पित कदम बिरले ही कोई व्यक्ति या संस्था उठाती है। पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा मेधावी छात्र-छात्राओं का सम्मान ऐसा एक कदम है। शिक्षा के क्षेत्र में सम्मेलन की सोच सार्थक है।" ये उद्‌गार पश्चिम बंग के उपभोक्ता मामलों के मंत्री **श्री साधन पांडे** ने गत २२ जुलाई २०१८ को पश्चिम बंग सम्मेलन द्वारा आयोजित मेधावी छात्र-छात्राओं के प्रतिभा सम्मान समारोह में व्यक्त किए। समारोह शेक्सपीयर सरणी, कोलकाता स्थित कला मंदिर सभागार में आयोजित किया गया, जहाँ दसवीं एवं बारहवीं कक्षा की परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए ४०० छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया।

श्री साधन पांडे ने मारवाड़ी उद्योगपतियों से पश्चिम बंग में उद्योग स्थापित करने का आह्वान करते हुए कहा कि यह राज्य आपका है और यहाँ जमीन या उद्योग से सम्बंधित किसी प्रकार की समस्या के निवारण का हर सम्भव प्रयास किया जाएगा।

समारोह की अध्यक्षता करते हुए पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष **श्री नंदकिशोर अग्रवाल** ने कहा कि मारवाड़ियों को एकजुट कर समाजहित के कार्यों में उनकी ऊर्जा को गति देना ही हमारा लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंग में सम्मेलन के संगठन को मजबूती मिल रही है और इस दिशा में हर सम्भव प्रयास किए जायेंगे।

समारोह के मुख्य वक्ता एवं सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री सीताराम शर्मा** ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि प्रतिभावान छात्र-छात्राएँ समाज का गौरव हैं। उन्होंने कहा कि छात्र-छात्राओं को शिक्षा के साथ-साथ अपनी सभ्यता-संस्कृति एवं संस्कारों के प्रति भी जागरूक रखना होगा क्योंकि संस्कार के बगैर शिक्षा

अधूरी है।

दीप-प्रज्ज्वलन से समारोह का शुभारम्भ हुआ। **अग्रसेन बालिका विद्यालय (हवड़ा)** की छात्राओं ने सरस्वती-वंदना प्रस्तुत की। इस अवसर पर उद्योगपतियों **श्री दीनदयाल गुप्त, श्री नन्दलाल पसारी, श्री संतोष जैन, श्री रतन लाल अग्रवाल एवं पत्रकारों** को भी सम्मानित किया गया।

समारोह में **श्री बी. पी. गोपालिका (आई.ए.एस.)**, सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री संतोष सराफ**, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री रामअवतार पोद्दार, श्री श्याम सुन्दर बेरिवाल, श्री विश्वनाथ सेक्सरिया** और **श्री बृजमोहन बेरिवाल** ने भी अपने संक्षिप्त विचार विचार रखे। समारोह का संचालन उपाध्यक्ष **श्री प्रकाश चण्डालिया** ने किया।

समारोह में पश्चिम बंग सम्मेलन के उपाध्यक्ष श्री गोपाल अग्रवाल एवं श्री निर्मल सराफ, सलाहकार समिति के चेयरमैन श्री विश्वनाथ भुवालका, महामंत्री श्री ओम प्रकाश अग्रवाल, सर्वश्री मनोज गुप्ता, सी.एस. सारडा, गोपी धुवालिया, शिव कुमार अग्रवाल, कमल जैन, रूपक केडिया, सुभाष चन्द्र सराफ, शिव कुमार लोहिया, संतोष रूँगटा, नारायण प्रसाद अग्रवाल, जुगल किशोर जाजोदिया, दीपक बुचासिया, कृष्ण कुमार अग्रवाल आदि उपस्थित थे।

बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की रिपोर्ट
माह मई-जुलाई २०१८

राष्ट्रीय अधिवेशन – अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का २५वाँ राष्ट्रीय अधिवेशन दिनांक ०९ एवं १० जून २०१८ को वाराणसी में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ, जिसमें बिहार प्रांत की विभिन्न शाखाओं से सर्वाधिक ८५ प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

दौरा – देवरिया कोठी, साहेबगंज, मोतीपुर, बाराचकिया, मोतिहारी, घोड़ासाहन, आदापुर, रक्सौल, मुजफ्फरपुर, हरसिद्धि, सुगौली, मझौलिया, बेतिया, बगहाँ, रामनगर, नरकटियागंज, चनपटिया, सीतामढ़ी, बलिया, खगड़िया, शाहपुर पटोरी, हसनपुर, रोसड़ा, समस्तीपुर, सकरी, नाथनगर, बाँसी, अमरपुर, तारापुर, असरगंज, सुल्तानगंज, लोकहीं एवं नरहिया और किशनगंज कुल ३४ शाखाओ का दौरा हुआ।

वर्तमान सत्र में अब तक कुल ६७ शाखाओं का दौरा सम्पन्न हो चुका है। निःसंदेह इन दौरों से शाखाओं की सक्रियता एवं गतिविधियाँ बढ़ी हैं और प्रांत का शाखाओं के साथ सम्पर्क सुदृढ़ हुआ है।

दौरों में प्रादेशिक अध्यक्ष एवं महामंत्री के अतिरिक्त वरीय उपाध्यक्ष श्री राजीव केजड़ीवाल, श्री पवन कुमार बंका, श्री अशोक खेमका, श्री नीरज खेड़िया, प्रमंडलीय उपाध्यक्ष श्री श्याम सुन्दर टिबड़ेवाल, श्याम सुन्दर शर्मा, श्री विनोद अग्रवाल, श्री भुवन अग्रवाल, सहायक मंत्री श्री आतम प्रकाश सर्राफ, प्रमंडलीय मंत्री श्री श्रवण सर्राफ, श्री रंजीत अग्रवाल, राकेश केजड़ीवाल, श्री गोपाल खेतड़ीवाल, प्रादेशिक सदस्यता प्रभारी श्री मुकेश जैन एवं जीवछ कानोड़िया और डा० योगेन्द्र खैतान ने भाग लिया।

शाखा चुनाव – अमरपुर, नाथनगर, सुल्तानगंज, गणपतगंज, दरभंगा, नरहिया, खगड़िया, मोतीपुर, देवरिया कोठी, साहेबगंज, बाराचकिया, आदापुर, रक्सौल, हरसिद्धि, बेतिया, बगहों, सोनवर्षा राज, झंझारपुर बाजार एवं पटना सहित कुल १९ शाखाओं में नये चुनाव सम्पन्न हो चुके हैं।

वर्तमान सत्र में ४० शाखाओं में नये चुनाव सम्पन्न हो चुके हैं।

शाखा मान्यता शुल्क : बक्सर, सोनवर्षा राज, कुशेश्वर स्थान, विरौल, देवरिया कोठी, साहेबगंज, मोतीपुर, बाराचकिया, आदापुर, रक्सौल, मुजफ्फरपुर, सुल्तानगंज, हरसिद्धि, बेतिया, सुगौली, चनपटिया, बगहाँ, अमरपुर सहित १८ शाखाओं से मान्यता शुल्क प्राप्त हुआ है।

वर्तमान सत्र में कुल ४८ शाखाओं का मान्यता शुल्क प्राप्त हो सका है।

सदस्यता – वर्तमान सत्र में तीन हजार से अधिक सदस्य बनाने का लक्ष्य रखा गया है। अब तक ९ संरक्षक, ८३२ आजीवन, ५ विशिष्ट तथा १ साधारण, इस प्रकार कुल मिलाकर ८४७ नये सदस्य बनाये गये हैं।

प्रादेशिक कार्यक्रम – प्रादेशिक अध्यक्ष के द्वारा तीन कार्यक्रम घोषित किये गये थे, जिसके अन्तर्गत मरणोपरांत अंगदान कार्चक्रम के तहत ५१ लोगों ने इससे संबंधित फार्म भरकर जमा करवायें हैं।

स्थाई पेयजल – इस कार्यक्रम के तहत पटना, सहरसा एवं गणपतगंज शाखाओं द्वारा स्थाई प्याऊ सेवा प्रदान की जा रही है।

विकलांगता मुक्त बिहार – इस कार्यक्रम के तहद दरभंगा शाखा द्वारा दो विकलांग भाईयों को अंग प्रदान किये गये हैं।

प्रतिभा सम्मान समारोह – प्रथम बार प्रतिभा सम्मान समारोह क्षेत्रीय स्तर पर कराया गया है। दिनांक २४ जून को मुजफ्फरपुर, सहरसा, ०१ जुलाई को पटना, दिनांक ०८ जुलाई को दरभंगा एवं २२ जुलाई को भागलपुर में सम्पन्न हुआ। इस कार्यक्रम में अपने समाज के मेधावी छात्र-छात्राओ को शिक्षा गौरव सम्मान प्रदान किया गया।

कार्यकारिणी की बैठक – दरभंगा शाखा के आतिथ्य में द्वितीय कार्यकारिणी समिति की बैठक सम्पन्न हुई, जिसमें पूरे प्रदेश से ४५ सदस्य उपस्थित थे। बैठक में विभिन्न विषयों पर गंभीर चर्चा हुई। अब तक के कार्यक्रमों एवं प्राप्त लक्ष्यों की समीक्षा की गई तथा भविष्य के लिए कार्यो का निर्धारण किया गया।

भावी कार्यक्रम – देश भक्ति समूह नृत्य प्रतियोगिता, ये देश है मेरा, आगामी १९ अगस्त २०१८, रविवार को पटना के बिहार चैम्बर ऑफ कॉमर्स के सभागार में किया जा रहा है, जिसके प्रायोजक श्री राजेश गुप्ता (कैप्टन टी. एम. टी.) है। कार्यक्रम में पूरे बिहार से लगभग १५ टीमों के भाग लेने की संभावना है। कार्यक्रम का प्रचार-प्रसार जोरों पर है।

Comprehensive and Exclusive

Business Economics

... Truly reflecting global aspirations!

Subscribe

100% Bargain

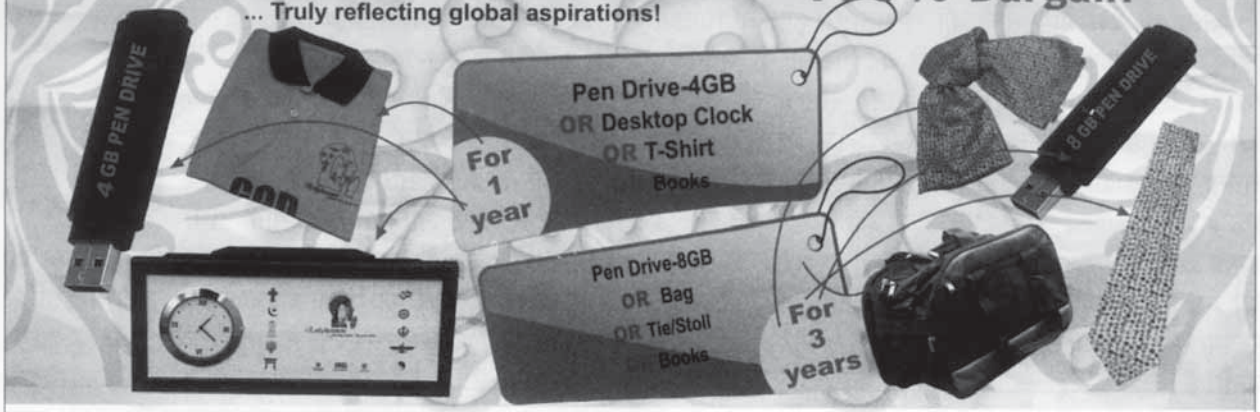

Subscribe Business Economics :

Subscribers may send choice of books valued equal to subscription

Tick	Term	No. of Issues	Price you pay	Gift Value	Saving	US $	UK £	Gift Option
☐	3 Years	72	1440/-	1440/-	1440/-	216	144	☐ 8GB Pen Drive OR ☐ Bag OR ☐ Tie/Stoll OR ☐ Books
☐	1 Year	24	480/-	480/-	480/-	72	48	☐ 4GB Pen Drive OR ☐ Desktop Clock OR ☐ T-Shirt OR ☐ Books
☐	1 Year	24 + Anniversary Issue (Worth ₹ 150)	240/-	150/-	390/-	-	-	☐ Exclusively for Students/Institutions
☐	1 Year	24 + Anniversary Issue (Worth ₹ 150)	240/-	150/-	390/-	-	-	☐ EXCLUSIVELY FOR SENIOR CITIZENS

For 1 year Book of choice upto ₹ 480 | **For 3 years Books of choice upto ₹ 1440**

Business Economics Subscription Form

Name : Mr./Ms. _____

Address : _____

_____ City/District : _____

State : _____ Country : _____ Pin Code : _____

E-mail : _____ Mobile : _____ Landline : _____ (STD CODE)

REMITTANCE DETAILS :

Enclosed Cheque / DD No. _____ dated: _____ for Rs. _____ drawn on: _____

In favour of **CONTEMPORARY NEWS PRIVATE LIMITED**

Signature: _____ date: _____

Mail this subscription form along with your Cheque / DD to : Pramod Kr. Singh, General Manager, **Business Economics**, 3, Middle Road, Hastings, Kolkata - 700 022, India
Ph : 033 - 2223 0335/0368, Mobile : 93395 19642, E-mail : subscriptions@businesseconomics.in

For Subscription enquiries contact : Kolkata : Shaonli Majumder : 033 2223-0368 • **Mumbai :** Rajendra Singh : 90290 84951
New Delhi : Lala P. Yadav : 98102 10095 • **Kohima :** Povotso Lohe : 94360 05889

Lucky DRAW

QUARTERLY LUCKY DRAW FOR THE SUBSCRIBERS :
1st Prize : INR 2000/- ● 2nd Prize : INR 1000/- ● 3rd Prize : INR 500/-

उत्कल मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय कार्यालय का उद्घाटन

१ अगस्त २०१८ - अग्रसेन भवन, सम्बलपुर के समीप उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय कार्यालय का नवीनीकरण के बाद पुनःउद्घाटन पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष कटक निवासी श्री विनोद टिबड़ेवाल के द्वारा किया गया। इस अवसर पर मारवाड़ी समाज के विभिन्न स्थानों से पधारे विशिष्ट जनों के साथ वर्तमान प्रांतीय अध्यक्ष ई. अशोक कुमार जालान, पूर्व अध्यक्ष श्री सुरेन्द्र लाठ, श्री नकुल अग्रवाल (बलांगीर), श्री विश्वनाथ मरोठिया (राउरकेला) विशेष रूप से उपस्थित थे। मुख्य अतिथि ने कहा कि इस प्रांतीय कार्यालय से सम्मेलन के संगठन

में बड़ी मजबूती आएगी तथा शिक्षा विकास ट्रस्ट और झलक प्रकाशन का कार्य भी सुचारू रूप में चलेगा।

उद्घाटन के बाद दोनों ट्रस्ट बोर्ड की बैठक भी हुई। अति शीघ्र सम्बलपुर में एक छात्रावास बनाने के कार्य का शुभारम्भ करने का निर्णय लिया गया तथा हिन्दी द्विमासिक सामाजिक पत्रिका झलक के नियमित प्रकाशन एवं वितरण पर चर्चा हुई। प्रांतीय कार्यालय का नवीनीकरण अशोक जालान फाउन्डेशन के सौजन्य से हुआ। कार्यालय में सभी पूर्व प्रांतीय अध्यक्षों के चित्र भी लगाये गए हैं, जिसकी बहुत सराहना हुई।

श्री जालान ने सम्मेलन में तेजी से बढ़ती आजीवन सदस्यता एवं महिला सम्मेलन तथा युवा मंच को साथ लेकर लोक कल्याणकारी सेवा कार्य करने से संगठन की मजबूती और समाज को अधिक गौरवान्वित करने की बात कही। समाज की कुरीतियों पर रोकथाम के लिए मंडलीय स्तर पर गोष्ठियाँ एवं कार्यशाला की बात हुई।

सम्मेलन में प्रांत की सबसे बड़ी शाखा सम्बलपुर के अध्यक्ष श्री ज्ञान प्रकाश अग्रवाल के साथ प्रांतीय महासचिव श्री विजय केडिया, उपाध्यक्ष श्री दिनेश अग्रवाल, बलांगीर से श्री मनोज

जैन, मंडलीय उपाध्यक्ष श्री मंगतु अग्रवाल, राऊरकेला उपाध्यक्ष श्री संतोष पारीक, रूपरा रोड से श्री सुभाष अग्रवाल एवं कटक से श्री सूर्यकांत सांगनेरिया ने उपस्थित रहकर कार्यक्रम की शोभा बढाई। बलांगीर से श्री गौरी शंकर अग्रवाल, कटक से श्री सुरेश कमानी, श्री दिनेश जोशी, श्याम सुन्दर पोद्दार, रायगड़ा से श्री प्रेम चन्द्र अग्रवाल, ब्रजराजनगर से श्री गोविंद अग्रवाल, श्री सुभाष सितानी, राउरकेला से श्री विशन दयाल अग्रवाल, श्री

तरूण मलानी, टिटिलागड़ से श्री सत्यनारायण गुप्ता आदि की उपस्थिति विशेष रही।

अन्य सम्मानित गणों में सम्बलपुर के विभिन्न सामाजिक घटकों में पूर्व प्रांतीय अध्यक्षा श्रीमती सुशीला फरमानिया तथा श्रीमती शांता पटवारी, महिला अध्यक्षा श्रीमती सुषमा अग्रवाल, ब्राह्मण समाज के श्री श्याम शर्मा, वरिष्ठ सदस्य एवं ट्रस्टी श्री हजारीमल ओझा, डा. राज कुमार शान्डिल्य, श्री जय दयाल अग्रवाल, श्री सज्जन कुमार भूत, श्री सुरेश अग्रवाल टीनावाले, श्री ओम प्रकाश शाह, श्री देवेन्द्र लाठ, श्री सम्भू अग्रवाल, श्री श्याम पोद्दार, श्री द्वारका अग्रवाल, श्री चन्द्र कुमार सराफ, श्री भानु अग्रवाल, श्री पराग अग्रवाल, श्री नटवर लोहिया, श्री राजेश अग्रवाल, श्री कान्हु जालान, श्री संतोष अग्रवाल आदि काफी गणमान्य सदस्य कार्यक्रम में उपस्थित थे।

क्या विरोधाभास जीवन की हकीकत है?

– डॉ. श्यामसुन्दर हरलालका, गौहाटी
पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष

मनुष्यों का सामाजिक जीवन लगातार परिवर्तन की झंझावातों में फँसा हुआ है। कल तक जो अनैतिक था, आज वह सामाजिक व्यवस्था का हिस्सा है। कल जो प्रथायें अमान्य थीं आज उन्हें स्वीकार कर लिया गया है। एक ही शताब्दी में इतने परिवर्तन हो गये कि लोग उनके साथ तालमेल रखने में असमर्थ हैं। जिंदगी की असलियत क्या है, व्यक्ति भ्रम में पड़ जाता है। एक व्यक्ति को अनेक विरोधाभास के चरित्र में जीने की कला सिखनी पड़ रही है। इस कला में जिसने निपुणता हासिल नहीं की है, उसकी जिंदगी की डगर बड़े मुश्किल भरे राहों से गुजरती है। मदिरा-सेवन व सामाजिक अवसरों पर इसके द्वारा आतिथ्य तथा महिलाओं की खुलेआम भागीदारी, फूहड़, अर्धनंगे कपड़ों में नृत्य करना, विवाह व अन्य समारोहों की शोभा का अंग बन चुका है। चार घंटों की शादी के समारोह में करोड़ों का खर्च करके समाज व रिश्तेदारों के बीच अपनी छवि एक रईस, सम्पन्न, धनाढ्य व्यक्ति की बनाने का भरसक प्रयास किया जाता है। शादी के समारोहों में धनाढ्य घरों के स्त्री-पुरुष हाथ में प्लेट लेकर भीड़ को चीरते हुए अपने लिए भोजन सामग्री लाते हैं एवं खड़े-खड़े, जल्दी-जल्दी खाते रहते हैं। इनमें युवा ही नहीं, बड़े बुजुर्ग भी आनंद लेते हैं जबकि घर में शांति के साथ बैठकर आहिस्ता-आहिस्ता भोजन करते हैं। वहाँ विरोधाभास भोजन करेंगे। एक घंटे में आईसक्रीम से लेकर कॉफी तक, चाट से लेकर लजीज पकवानों तक को चखने की प्रतिस्पर्धा में भाग जो लेते हैं। अधिकतर को तो यह भी पता नहीं कि विरोधाभास भोजन क्या है। जिन व्यक्तियों को भोजन के पूर्व सोमरस लेने की आदत है उन्हें भी मायूस नहीं होना पड़ता। आजकल मयखाने की व्यवस्था भोजन से भी अधिक जरूरी समझी जाती है।

विवाह जीवन का जरूरी संस्कार है जिसे शुभ मुहुर्त में सम्पादित करने की प्रथा रही है एवं कई महीने पूर्व इसके लग्न पंडितों के द्वारा निकलवाया जाता है मगर फोटो सेशन, प्रिवेडींग-शूट के टेलिकास्ट इतने जरूरी हो जाते हैं कि लग्न पीछे छूट जाता है। पंडितों का आग्रह किसी को भी नहीं सुनाई पड़ता। दोनों के अभिभावक आतिथ्य-सत्कार में इतने व्यस्त हो जाते है कि जरूरी शादी की रश्म सुविधानुसार सम्पूर्ण कर ली जाती है। यह हमारी सोच का विरोधाभास है। सज्जन गोठ के नाम पर रात्रि के एक बजे राजकीय भोजन की व्यवस्था तथा सजनियों का जमघट एवं लड़केवालों की तरफ से रिवाजों के नाम पर मजाक बनकर रह गया है। देर-सबेर ही क्यों न हो यह रीति बंद के कगार पर है। नई पीढ़ी की रीति-रिवाजों से अनभिज्ञता का लाभ इवेन्ट मैनेजमेन्ट वालों को मिलता है। वे आपके लिये हर अवसर को यादगार बनाने के लिये गीतों की गायिका, रीति-रिवाजों की मार्गदर्शिका एवं आपके मुखड़े पर चार चाँद लगाने के लिये सौन्दर्य प्रसाधन की व्यवस्था करते हैं, आप को तो सिर्फ गुलाबी नोटों की बौछार करनी है जिसके लिये हर शख्स तैयार खड़ा है। सब एक बात कहते हैं कि मेरे तो एक ही लड़का या लड़की है, मैं मेरी खुशी के इजहार में कोई कसर नहीं रखना चाहता। धन इस लम्हे को यादगार बनाने के लिये ही संग्रह किया है, इसलिए खर्च मेरी प्राथमिकता है। यहाँ भावना इतनी प्रबल होती है कि तर्क, कारण, सामाजिक विचार, सिद्धांत आदि गौण हो जाते हैं। वे समाज या सामाजिक संस्थाओं के दबाव को भी दरकिनार कर देते हैं। मंच पर बड़े-बड़े सिद्धांतों की दुहाई देनेवालों की अपने घर में होनेवाले समारोहों के अवसर पर बोलती चंद होते देखी गयी है। चार रुपये के कागज की मिलनी लेनेवालों के सिद्धांत चार चाँदी के सिक्कों के बोझ तले करहाते दिखते हैं। कहाँ गये वे लोग जो देखने में अत्यंत सीधे, सरल व साधारण हैं लेकिन सिद्धांतों की मजबूती एफिल टावर से अधिक मजबूत। इस प्रकार के लोगों के जीवन में विरोधाभास का स्थान नहीं है।

मारवाड़ी लड़कियों ने शिक्षा के क्षेत्र में कीर्तिमान स्थापित करने के लिये या शिक्षा के जरिये जीविका उपार्जन करने की प्रतिस्पर्धा में कदम तो रख दिया है, मगर बहुत कुछ खोया भी है। उम्र अमूमन उठाइस-तीस पहुँचने लगी। दोस्त-रिश्तेदारों से भी अधिक प्रभावित होकर सभी विरोधाभास कर्मो की तरफ कदम आगे बढ़ते देखा गया है। शराब हो या हुक्का, आमिष भोजन हो या सीफूड उन्हें कोई परहेज नहीं है। चारित्रिक गिरावट तेजी से हो रही है। अवैध संबंधो के कारण धार्मिक व सामाजिक मान्यताओं के विरुद्ध कदम उठाते देखे जाते हैं। बढ़ते तलाक की कहानी बहुत मार्मिक है। अत्यंत सुंदर जोड़ा, उच्च शिक्षित, सम्पन्न परिवार, मगर शादी के बंधन की वर्षगाँठ मनाने के पूर्व कानूनी सलाहकारों के यहाँ दस्तक देने लगते हैं। क्या पुरुष-प्रधानता की लड़ाई है या अपने व्यक्तित्व की पहचान की लड़ाई? पुरुषों का पुरुषत्व भी चुनौती के घेरे में है। लेखक ने सैकड़ों जोड़ों को अलग-अलग राह चुनते देखा है। विरोधामास की जीवनशैली में अधिक दिनों तक एक छतरी के नीचे रहने के लिये मजबूर नहीं किया जा सकता है। लेखक करीब पाँच दशक से कानूनी सलाहकार के रूप में बुद्धिजीवी पेशे से जुड़ा हुआ होने के कारण अनेक परिवारों की चौखट पर होनेवाले दर्दनाक निर्णयों का साक्षी रहा है। मासूम बच्चों की तरफ देखने से दिल भर आता है। उनका कोई निर्णय नहीं होता, उन पर निर्णय थोपा जाता है। वे अपना दुख बाँट नहीं सकते दुख के घूँट पीते रहते हैं। माँ-बाप के अहम के टकराव में मासूमों की किलकारियाँ दुखों की चट्टान में तब्दील हो जाती हैं।

दोहरी जिंदगी जीने की हमारी आदत बन चुकी है। हमारा अहम हमारी बढ़ती दौलत के साथ बढ़ते रहता है। मारवाड़ी समाज में सभी बातों को धन की तराजू में तौला जाता है। अपने रिश्तेदारों की खातिरदारी हो या सम्मान प्रदर्शन करने का अवसर

हो या सामाजिक संस्थाओं में पदभार देने का मौका हो, आपके धन को मापदण्ड के रूप में लिया जाता है। सिद्धांतों की बड़ी-बड़ी बातें धन के तराजू के नीचे दम तोड़ती दिखाई देती हैं। यह हमारी विरोधाभास जिंदगी का सच है जिसे हम स्वीकारना नहीं चाहते हैं। सगे भाईयों में या उनकी पत्नियों के बीच भी हैसियत का मापदण्ड धन का तराजू ही होता है। धनवान छोट ी द्वारा निर्धन बड़ी बहू को आदेश देते देखा जा सकता है। अपवाद सभी जगह होता है। अच्छे गुण-सम्पन्न आदर्शवान परिवार भी हैं, जो अपवाद के रूप में है। जिस रिश्तेदार के पास बहुत धन-सम्पत्ति हो जाती है या अति कम समय में किसी भी तरह अकूत धन-सम्पदा का मालिक बन बैठता है तो उसकी मान, बड़ाई, प्रशंसा, प्रतिष्ठा के गीत सबकी जुबान पर आ जाते हैं, यह दुनिया का दस्तूर है। वह रिश्तेदारों को हेय दृष्टि से देखता है। उसे सबकी जुबान पर अपनी प्रशंसा के तराने सुनने की आदत बन जाती है। धन कमाना सहज है लेकिन इसे पचाना बहुत कठिन होता है। धन को परोपकार के काम में लगाने से सदुपयोग होता है, बुद्धि निर्मल होती है, अहंकार पर अंकुश लगता है लेकिन ऐसा वही कर पाते हैं जिन्हें समझदार बड़े-बुजुर्गोंसे जीवन का सबक मिला हो। मारवाड़ी समाज के लोगों ने दो शताब्दी पूर्व एक बड़े शून्य से प्रारंभ करके अपनी मेहनत, विश्वसनीयता, कष्टसहिष्णुता व अथक साहस के कारण अकूत धन कमाया तथा दिखावा, फिजूलखर्ची, आडम्बर से मुक्त रहे और उसका एक अंश परोपकार के कामों में लगाया जिसकी आवाज आज भी पीढ़ीयों दर पिढ़ी गुजर जाने के बाद भी सुनाई देती है। हम आज भी उनके द्वारा जनहित में किये गये कामों की ही गाथा गाकर प्रशंसा लूटना चाहते हैं। उनकी सोच, विचारधारा आनेवाली पीढ़ियों के लिये थी इसलिए जगह-जगह शिक्षा के विशाल मंदिर खड़े किये, चिकित्सालय, देवालय, प्याऊ, धर्मशाला, गौशाला, व्ययामशाला, पोखर, वृक्षारोपण, आश्रम, पुस्तकालय एवं न जाने क्या-क्या अनोखे कार्य किये जिन्हें कुछ शब्दों में समेटना बहुत कठिन है।

अब हम धन कमाने के लिये होटल खोलते हैं, जिसमें माँस व मदिरा परोसी जाती है। हमें इस बात से कोई परेशानी नहीं है कि यह हमारा तज्य भोजन है। हम नाई की दूकान खोलकर बड़े-बड़े विज्ञापन छाप रहे हैं। स्पा हो या बार, ईवेन्ट मैनेजमेन्ट हो या बोंड हाऊस का व्यापार, हमारी मोजूदगी साबित करती है कि धन कमाने के लिये हम स्रोत का विचार नहीं करते हैं। हवाला का व्यापार हो या तस्करी का, जूतों का व्यापार हो या माँस का, हमें कोई फर्क नहीं पड़ता अगर उसके जरिये हमारे पास धन आ रहा है। धड़ल्ले से मारवाड़ी होटल, शराब व जुए के अड्डों में दिलचस्पी लेने लगे हैं। आसान तरीके से धन कमाने के नये-नये मार्गों का ईजाद किया जा रहा है। हम नैतिक मूल्यों की दुहाई देते हैं, भाषणों में जिक्र भी करते हैं लेकिन व्यवहारिकता में आसान धन के स्रोत को देखकर सब कुछ भूल जाते हैं।

विरोधाभासी, दोहरी जिंदगी हमें समाज में मान दिलवा सकती है मगर दिलों पर राज नहीं कर सकती, कद हमारा ऊँचा हो सकता है मगर मन बेचैन रहेगा, दुनिया की नजरों में हम सुखी दिखेंगे पर दिल खिन्न रहेगा। आइये विचार कीजिये हमें कौन सी राह चुननी है।

लुगाई री चाल लुगाई जाणै

– केसरीकांत शर्मा केसरी

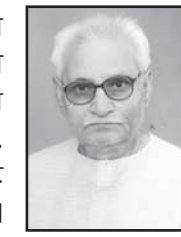

अेक लुगाई रोज तवीं (नदी) स्नान तंणी जाया करती। सासू सूं छिपा'र रोटी अर आम रै अचार री अेक फांक भी सागै ले ज्या'ती। नदी स्नान करकै रोटी खाती, पाणी पीती अर पछैं घरां आ'र काम में जुट ज्या'ती और सांझ ढळ्यै तांणी जुटी रेवती। रात खाणो खाती टेम फटर खातर अेक-दो भढोरा (खमीर हाळी रोटी) जरूर छिपा'र राख लेती। तकदीर की बात या कै अेक दिन रात नै रोटी बची ही कोनी। घरां चार-पांच बटाअू आ'गा। भठोरा खतम होयगा। बा सोचबा लागी कै आज सुबै बा कांई ले'र जावैली। भगवान की मर्जी। अुण रै अेक विचार अूपज्यो। दिनुगे गोबर-कूड़ो साफ-सफाई कर'र गाय-भैंस नै खोल कर, ठाण बुहारी दे'र जद बा तवी स्नान तांणी निकळबा लागी तो खुद री ओढणी रै अेक पल्लै मुट्ठी'क भर आटो बांध लियो।

तवी तट पर पूंची तो के देखै है कै बठै कोयी की ल्हास जळरी है। न्हा-धो'र चौड़े सै भाटे पर आटो गूंथ कर रोटी बणायी अर चिता री बळती आग में अुण नै पकाली। पछै सोचबा लागी कै अब अीं'नै खावां कियां। आज अचार री फांक ल्या'णी तो बा भूल ही गी। सूखी रोटी गळै सूं नीचै कियां अुतरै।

विचारां री अुथळ-पुथळ में फंस्योड़ी बा तवी तट पर बन देवी हाळै देवी-दुवारै माथो टेकबां नै चली गयी। पुजारी मंदर में कोनी हो। कठीं नै गयो होवैगो। अुण रै मन में खयाल आयो कै क्यूं नै जळती ज्योत मांय सूं थोड़ो-सो घी चुरा कर रोटी चोपड़'र खा ली जावै। बा झट आंगळयां सूं घी काठ्यो, रोटी के लगायो अर गिट गी। पेट री दाझ थोड़ी थमी तो बा मुवाड़ी गयी परी।

अित्ती-अी देर में देवी-दुआरै रो पुजारी मंदर में आयगो। बो देवी री मूरत नै देख'र कांप अुठ्यो। जद बो मंदर सूं गयो हो तो देवी री प्रतिमा भली-चंगी थी, पण अब देवी कानां कै हाथ लगायां अूभी ही। पुजारी बिचारो घणी-ही मिन्नतां करी, पण देवी हाथ नीचा कोनी कर्‌या। पुजारी घबराकर कोयी सूं चर्चा करी। बात चालती-चालती सारै गांव में फैलगी। गांव रा मोकळा मिनख भेळा होयगा अर नाक-मूंड रगड़णै लाग्या। के बेरो कीं बात पर देवी नाराज हो'गी! सै मायूस! पण देवी कोयी की ही कोनी सुणी।

आखर बा लुगाई, जकी घी चुरायो हो, आपरी सासू सूं पूछ'र बठै चली आयी। आता परांत बा सारी भीड़ सूं बोलबा लागी कै थे सगळा अठै सूं थोड़ी दूर चल्या ज्यावो और अुण नै देवी नै मनाबा री कोसिस करण द्यो। लोगड़ा अुण नै कसकर ताना दिया, पण अुण रै कहे मुताबिक पीछै भी हटगा।

बा लुगाई देवी-द्वारै नै बंद कर्‌यो, हाथ में अेक डंडो पकड़्यो अर डंडै नै अुछाळकर देवी सूं कैवण लागी – 'बोल री, थोड़ी

(शेष पृष्ठ २८ पर)

राजस्थानी भाषा : व्याकरण

[जैसा सुहृद पाठक जानते है, अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन, राजस्थानी भाषा के प्रचार-प्रसार के लिए यथासम्भव प्रयास करता हैं। समाज विकास के वर्तमान अंक से, पं. केसरीकान्त शर्मा 'केसरी' रचित 'सीखो राजस्थानी – सहज राजस्थानी व्याकरण' के अंश प्रतिमाह इस आशा के साथ प्रकाशित किए जा रहे हैं कि इच्छुक व्यक्ति राजस्थानी भाषा-व्याकरण के विषय में जान सकें और अपने बालकों-किशोरों को भी अपनी मायड़ भाषाज्ञान के लिए उत्प्रेरित कर सकें। व्याकरण – पुस्तक सम्मेलन कार्यालय में उपलब्ध है और इच्छुक सज्जन इसे वहाँ से निःशुल्क ले सकते हैं। – सम्पादक]

वचन (Number)

राजस्थानी भाषा में दो वचन होते हैं :
अेक वचन (Singular Number) और अनेक (बहु) वचन (Plural Number)

अेक वचन : जिससे एक ही संख्या का बोध हो, उसे अेक वचन (Singular Number) कहा जाता है। जैसे – गाय, घोड़ो, पोथी।

नोट : कभी-कभी आदर जतलाने के उद्देश्य से भी अेक वचन की जगह अनेक (बहु) वचन (Plural Number) का प्रयोग किया जाता है, जैसे –

१. आप कद पधार्‌या? २. अै कठे जावैला?
३. सेठां नै कागद मांडो। ४. आप विराजो सा।
५. आप री बात ही निराली है।

अनेक (बहु) वचन : नर जाति में अेक वचन से अनेक वचन बनाने का नियम :

१. ओकारांत शब्दों में (आ) प्रत्यय लगता है – **छोरो – छोरा, घोड़ो – घोड़ा**
२. निम्न शब्द **दोनों वचनों में समान** रूप से स्थित रहते हैं, यानि कि अेक वचन एवं बहुवचन (अनेक वचन) दोनों रूपों में जस के तस होते हैं:
   पति - पति, बादळ - बादळ, भालू - भालू, राजा - राजा

उदाहरणार्थ :

बीं रो धणी आयगो – बां रा धणी आयगा
बादळ बरस्यो – बादळ बरस्या
भालू आयो – भालू आया
राजा आयो – राजा आया

३. **नारी जाति में अकारांत** शब्दों में (**आं**) प्रत्यय लगाकर एक वचन से अनेक वचन (Plural Number) बनाया जाता है।
   चाल – चालां, जात–जातां, बात – बातां, रात – रातां, लात – लातां
४. **आकारांत शब्दों में आ अथवा वां** प्रत्यय लगता है अनेक वचन (Plural Number) बनाने के लिए, जैसे –
   माळा – माळां / माळावां, विधा – विधा / विधावां
५. **इकारांत** और **ईकारांत** में **(या/इंया)** प्रत्यय से अनेक वचन (Plural Number) बनाया जाता है, जैसे –
   खेती - खेत्यां / खेतियां, घोड़ी – घोड़यां / घोड़ियां
६. **उकारांत** और **ऊकारांत** शब्दों में **अवां**/अथवा **उआं** प्रत्यय लगाकर एकवचन (Singular) से अनेक (बहु) वचन (Plural Number) बनाया जाता है, जैसे –
   बहू – बहुआं/बहुवां, रितु – रितुआं / रितवां, सासु – सासुआं / सासवां
७. **अेकारांत** शब्दों में **अेआं** अथवा **अेयां** प्रत्यय जुड़ते हैं तब एक वचन से अनेक वचन बन जाता है –
   खे – खेयां / खेयां, जे – जेआं / जेयां
८. **ओकारांत** (नर जाति) के विशेषण (Adjective) से अनेक वचन बनाने के लिए **आ** प्रत्यय का प्रयोग किया जाता है, जैसे –
   काळो – काळा, रातो – राता
९. **सर्वनाम** (Pronoun) एवं **विशेषण** (Adjective) में भी वचन (Number) होते हैं, जैसे–
   काळो – काळा, घरहाळो – घरहाळा, हूं (मैं = I), म्हें (हम = We)

लुगाई री चाल लुगाई जाणै

(पृष्ठ २७ का शेषांश)

सो' क तेरो घी के लेलियो, तेरै अित्तो गुस्सो चढ्यायो! चिता सूं मैं अग्नि रो अिस्तेमाल कर्‌यो, बीं रै कुछी कोनी होयो। पण तेरी ज्योति में सूं थोड़ो घी के ले लियो तूं तो कानां के हाथ चिपका लिया। दोनूं हात नीचा करै है'क चखाऊं तनै मजो! कर नीचा हाथ।

बड़ी कठणाई। देवी घबरायी। झट हाथ नीचा कर लिया।

बा लुगाई मंदर सू बा रै आकर पुजारी नै कदैवण लागी - 'अव चावो तो अन्दर जा सको हो।'

पुजारी अर बीजा लोगां जद देवी की मूरत नै ठीक-ठाक पैली हाळै जिसै रूप में ही देख्या तो बीं लुगाई रा पग-छूवणी करै लाग्या। सासू बीं पर बाग-बाग। सारो गांव अुण नै पूंज्योड़ी साधाणी समझै लागो। अुण रो सम्मान बढगो। सासू बीं तांणी सुबै-स्याम अपणै हाथ सूं खाणै रो थाळ सजावै लागी।

– आनन्दपुरा
वार्ड नं. १, पो.मं डावा-३३३७०४ (राज.)

ISO 9001 Certified

ORR TECHNOLOGY

SKIPPER
PIPES

"FIXED FOR LIFE"

COMPLETE RANGE OF PIPES & FITTINGS

CPVC | UPVC | SWR | UGD | HDPE | BOREWELL | AGRICULTURE

www.skipperlimited.com | Toll Free : 1800 120 6842

Krishi Rasayan Group

29, Lala Lajpat Rai Sarani (Elgin Road),
Kolkata - 700020, West-Bengal, India
www.krishirasayan.com
E-mail: atul@krishirasayan.com
Telephone: +91-33-71081010/11

With more than 50 years of experience in the agro-chemical business and being one of the oldest and leading agrochemical companies of India, **Krishi Rasayan** is touching new heights with each passing day.

The continuous process of upgradation, development and inherent changes according to the market requirements have helped **Krishi Rasayan** become a leader in the domestic circuit. **Krishi Rasayan** is expanding word-wide with exports and overseas registrations focusing on South-East Asia, Africa, Middle-East, CIS and Latin America.

Krishi Rasayan has 8 multi-location manufacturing plants in different parts of India and has 5 overseas subsidiaries.

It also boasts of having contract technical manufacturing units in India manufacturing Pretilachlor, Ethephon, Cypermethrin, Profenofos, Imidacloprid, Thiamethoxam, Metalaxyl, Metribuzin, Acetamiprid, Glyphosate, Tricyclazole, Butachlor, Emamectin benzoate, Difenconazole and Chlorpyriphos.

Additional technical products to be added are under process. The company has technical tie-ups and contract manufacturing with various companies in China and also has an office in Shanghai, China.

The company has many products including formulations such as EC, SC, WDG, SP, GR, EW and CS

Krishi Rasayan specializes in many combination products & bio-products. GLP data are available for most of the products; both 5-batch and 6-pack study.

Insecticides:

Deltamethrin 1% + Triazofos 35% EC, Profenofos 40% + Cypermethrin 4% EC, Ethion 40% + Cypermethrin 4% EC, Chlorpyriphos 50% + Cypermethrin 5% EC, Acephate 25% + Fenvalerate 3% EC, Buprofezin 15% + Acephate 35% WP, Profenofos 20% + Cypermethrin 2% EC, Deltamethrin 2.5% + Permethrin 2.5% EC, and many other forumlations available.

Fungicides:

Metalaxyl 8% + Mancozeb 64% WP, Carboxin 37.5% + Thiram 37.5% DS, Carbendazim 12% + Mancozeb 63% WP, Streptomycin sulphate + Tetracycline hydrochloride (90:10), Iprodione 25% + Carbendazim 25% WP, Cymoxanil 8% + Mancozeb 64% WP, etc

Weedicides:

Metsulfuron methyl 10% + Chlorimuron ethyl 10% WP & other formulations available.

PGR's:

6BA, Amino Acids, Ethephon, Gibberallic Acid, Hydrogen Cynamide, Tricontanol

Bio-Products:

Bacillus thuringiensis var kurstaki 7.5% WP, Trichoderma harzianum 2% WP, Trichoderma viride 1% WP, Pseudomonas fluorescens 0.5% WP, Neem Oil, Azadirachtin, Beauveria bassiana 1.15% WP, Verticillium lecani 1.15% WP and other formulations available.

CENTURYPLY®

CENTURYPLY® CENTURYLAMINATES® CENTURYVENEERS®

CENTURYPRELAM® CENTURYMDF® CENTURYDOORS™

zykron FIBRE CEMENT BOARDS & PLANKS

STARKE™ NEW AGE PANELS

SAINIK PLYWOOD HAMESHA TAIYYAR

For any queries, **SMS 'PLY'** to **54646** or call us on **1800-2000-440** or give a missed call on **080-1000-5555**

E-mail: **kolkata@centuryply.com** | CenturyPlyOfficial | CenturyPlyIndia | YouTube Centuryply1986 | Visit us: **www.centuryply.com**

www.anmolindustries.com | Follow us on:

सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत!

आजीवन सदस्य

श्री शुभम पोद्दार मे. हिन्द सेनिटेशन, बाईपास रोड, चास, बोकारो, झारखंड	**श्री निर्मल चंद रामपुरिया** बाईपास रोड, चास, बोकारो झारखंड	**श्री श्रमण कुमार अग्रवाल** बाईपास रोड, चास, बोकारो, झारखंड	**श्री अशोक कुमार बंथिया** बंथिया सदन, चास, बोकारो झारखंड	**श्री कमल किशोर लड्ढा** बाईपास रोड, बोकारो, झारखंड
श्री विनोद कुमार अग्रवाल फ्लाट नं-एच.जी-७ सिटी सेन्टर, बोकारो, झारखंड	**श्री अमित खण्डेलवाल** टेक्सटाईल मार्केट, बाईपास रोड, चास, बोकारो, झारखंड	**श्री धर्मवीर गर्ग** श्री राम मार्केट, बाईपास रोड, चास, बोकारो, झारखंड	**श्री राजेश कुमार गुप्ता** गविन्दपुर, धनबाद झारखंड	**श्री सुनील कुमार अग्रवाल** कुसुन्डा, धनबाद झारखंड
श्री पवन कुमार राठी थाना रोड, मधुपूर झारखंड	**श्री किशन कुमार बेथवाल** कुन्डु बंगला, मधुपूर झारखंड	**श्री उदय नारायण मारोदिया** अग्रसेन चौक, मधुपूर देवघर, झारखंड	**श्री संजय कलपालिया** मधुपूर, देवघर झारखंड	**श्री दिनेश डालमिया** कुंडू बंगला रोड, मधुपूर देवघर, झारखंड
श्री बिनोद लच्छीरामका मधुपूर, देवघर, झारखंड	**श्री संजय कुमार खेतान** खेतान मार्ग, शिवपूरी देवघर, झारखंड	**श्री अनिल कुमार झुनझुनवाला** बुड़ा सुतापट्टी, देवघर झारखंड	**श्री विकाश कुमार टिबड़ेवाल** एस.एस.एम कमलालया सेन्टर, देवघर, झारखंड	**श्री गौरी शंकर अग्रवाल** बड़ा बाजार, देवघर झारखंड
श्री मनोज कुमार कलबलिया पंच मंदीर रोड, मधुपूर झारखंड	**श्री अशोक कुमार अग्रवाल** दुमका रोड, देवघर झारखंड	**श्री साँवर झुनझुनवाला** मे. बाम्बे स्टोर, बड़ा बाजार देवघर, झारखंड	**श्री बिनोद कुमार अग्रवाल** दुमका रोड, देवघर झारखंड	**श्री गोपाल प्रसाद चौधरी** ३ए, नारायण आरती अपार्टमेन्ट, देवघर, झारखंड
श्री गोविन्द कुमार अग्रवाल बागला चौक, देवघर झारखंड	**श्री पवन कुमार सिंगोदिया** एम.ई. स्कूल रोड, जुगसलाई जमशेदपूर, झारखंड	**श्री ओम प्रकाश सोमानी** राणा प्रताप कालोनी, चास बोकारो, झारखंड	**श्री पंकज कुमार बंसल** राणा प्रताप नगर चास, झारखंड	**श्री चिरंजी लाल अग्रवाल** मेन रोड, बी.एस. सिटी चास, बोकारो, झारखंड
श्री अमित मित्तल हाउस नं.-२४२, कुलदीप टालकिज, चास, बोकारो, झारखंड	**श्री डम्पी शमुका** मेन रोड, चास, बोकारो झारखंड	**श्री सुरेश प्रसाद अग्रवाल** एच नं.-सी-१७, गुजरात कालोनी, चास, बोकारो, झारखंड	**श्री शेहतास कुमार अग्रवाल** बाईपास रोड, चास, बोकारो झारखंड	**श्री पवन कुमार अग्रवाल** कुलदीप डालकिज कम्पाउंड चास, बोकारो, झारखंड
श्री पवन कुमार हेमका ए/४, ओम सोसाईटी कुँवर सिंह कालोनी, चास बोकारो, झारखंड	**श्री सुरेश कुमार पेरिवाल** मेन रोड, चास, बोकारो झारखंड	**श्री ओम प्रकाश पंसारी** मे. अर्पित ट्रेडर्स, मेन रोड, चास, बोकारो, झारखंड	**श्री छित्तरमल अग्रवाल** चन्द्रपूरा रोड, फुसरो बाजार, बोकारो, झारखंड	**श्री कैलाश अग्रवाल** मेन रोड, फुसरो, बोकारो झारखंड
श्री श्यामलाल गायल मे. हरियाणा मोटर्स मेन रोड, फुसरो बाजार, बोकारो, झारखंड	**श्री महेन्द्र कुमार खेमका** मे. खेमका मोर्टस, बोकारो झारखंड	**श्री राजेन्द्र प्रसाद अग्रवाल** मे. श्री राधा गोविन्द साड़ी बैक मोर, बोकारो, झारखंड	**श्री अभिजीत अग्रवाल** कोठारी मार्केट, फुसरो बाजार, बोकारो, झारखंड	**श्री राम अवतार करीवाला** सब्जी मंडी फुसरो बोकारो, झारखंड
श्री प्रेम राज गोयल गोयल भवन, मेन रोड फुसरो, बोकारो, झारखंड	**श्री मनोज कुमार गोयल** मे. श्री बालाजी भंडार नया रोड, बोकारो, झारखंड	**श्री ओम प्रकाश अग्रवाल** न्यु रोड फुसरो, फुसरो बाजार, बोकारो, झारखंड	**श्री राज कुमार अग्रवाल** मे. श्रद्धा इंटरप्राईजेज नया रोड, फुसरो बाजार बोकारो, झारखंड	**श्री दीपक कुमार अग्रवाल** मेन रोड, फुसरो बाजार बोकारो, झारखंड
श्री दिलीप कुमार गोयल मे. न्यु रेणुका वस्त्रालय अपना बाजार, फुसरो, झारखंड	**श्री झाबरमल अग्रवाल** के४३/६२, विश्वेश्वर गंज वाराणसी, उ. प्र.	**श्री कमतोष कुमार जिंदल** मे. जापला साड़ी सेन्टर गोलघर, वाराणसी	**श्री केशव अग्रवाल** ४०, गांधी नगर, सिगरा वाराणसी	**श्री महेश पोद्दार** मे. श्री विश्वनाथ वस्त्रालय गोदालिया, वाराणसी
श्री मनीष पोद्दार विराट कम्पलेक्स, फ्लै नं- B२-१/२-२, राम कटोरा, वाराणसी	**श्री मनोज कुमार गिनोदिया** बी-२१/८, कामच्चा वाराणसी	**श्री मनोज कुमार पोद्दार** मे. पोद्दार इंटरप्राईजेज सी के ५९/६, बुचनाक वाराणसी	**श्री पवन कुमार अग्रवाल** ईलाकी इंक्लेव, रामकटोरा वाराणसी	**श्री पवन बुधीया** जे-१२/८-१-ए एलेक्सी इंक्लेव, वाराणसी
श्री संजय बूबना सी के १३/१७, सत्ती छतरुतरा शिवम मार्केट चौक, वाराणसी	**श्री संजय पंसारी** १०१५, सुभाष नगर मुगलसराय, उ. प्र.	**श्री विनय बूबना** सी के५९/१४-१५, बूबना भवन, निची बाग, वाराणसी	**श्री विनद कुमार अग्रवाल** मे. राधिका ट्रेडिं कं. के४३/५२, विश्वेश्वर गंज वाराणसी	**श्री सतीष कुमार अग्रवाल** मे. मनोज इंटरप्राईजेज जे-३०/७५, छोछड़ा रोड जजीपुर, वाराणसी

सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत!

आजीवन सदस्य

श्री प्रदीप कुमार अग्रवाल मे. राजहंस इलेक्ट्रीक कं. डी३९/४९, प्रणती मार्केट वाराणसी	**श्री सुन्दर कुमार जालान** १२, जवाहर नगर, बेलुपूर वाराणसी	**श्री सुर्यकांत बाजोरिया** मे. प्रकाश ट्रेडर्स मच्छोदरी, वाराणसी	**श्री संजय प्रह्लाद** के५६/३३बी, ईश्वरगंज वाराणसी	**श्री राम नारायण चुड़ीवाला** मे. श्री राम टेक्सटाईल विद्यापीठ रोड, वाराणसी
श्री शिव कुमार लोहिया पिताम्बरी, रथयात्रा शपूरी हाईट्स, वाराणसी	**श्री शिव रतन मारोलिया** डी५८/५२, रथ यात्रा वाराणसी	**श्री सुनिल जाखोदिया** महावीर विहार, फ्लैट नं.-१ प्रथम तल, रथयात्रा, वाराणसी	**श्री मनोज बजाज** मे. रानीसती इंटरप्राईजेज सी२७/१७०ए-२०सी, जगतगंज, वाराणसी	**श्री दिपक कुमार बजाज** मे. रानीसती इंटरप्राईजेज सी२७/१७०ए-२०सी, जगतगंज वाराणसी
श्री श्याम सुन्दर बजाज मे. रानीसती इंटरप्राइजेज सी२७/१७०ए-२०सी, जगतगंज, वाराणसी	**श्री दीपक तोदी** मे. रानीसती टेक्सटाईल्स सुदर्शन शॉपिंग सेन्टर वाराणसी	**श्री नरेश कुमार अग्रवाल** मे. पूनम इलेक्ट्रिनिक्स लंका, वाराणसी	**श्री राम कुमार बूबना** मे. कंचना साड़ीज, सी के ५६/११८, गोविन्दपूरा चौक, वाराणसी	**श्री संजय कुमार अग्रवाल** मे. संजय आयरन स्क्रैप वर्क्स, शिवपूरी, वाराणसी
श्री विश्वम्भर प्रसाद अग्रवाल मे. संजय आयरन स्क्रैप वर्क्स शिवपूरी, वाराणसी	**श्री सुनिल कुमार धानुका** द्वारा - मालपानी ट्रेडर्स विश्वेश्वरगंज, वाराणसी	**श्री पुरुषोत्तम दास माहेश्वरी** विराट कृष्णा, चौथा तल नाटी ईमली, वाराणसी	**श्री शंकरलाल सोमानी** मे. राजस्थान कार्पोरेशन गोला दिनानाथ, वाराणसी	**श्री कृष्णा कुमार कावरा** मे. कावरा स्टोर्स, जे२३/१३, कमलपूरा, वाराणसी
श्री शरद कुमार शाह मे.गणपती, रानीकुँभा चौक वाराणसी	**श्री अभिषेक कुमार डोकानियाँ** मे. सिल्क इम्पोरियम मारवाड़ी टोला लेन, भागलपूर, विहार	**श्री पर्मा नंद गोयनका** मे. गोवर्धन हैंडलूम, सुजागंज भागलपूर, विहार	**श्री नीमित गोयनका** मे. गोवर्धन फिनांसियल कंस्लटेंन्सी, प्रथम तल, भागलपूर, विहार	**श्री संदीप कानोड़िया** मे. अग्रवाल ज्वेर्ल्स, गांधी चौक, सासाराम, रोहतास, बिहार
श्री गौरव सरावगी मे. जय जगदम्बे आयरन स्टोर, सासाराम, बिहार	**श्री नारायण केजरीवाल** मे. नारायणी इंटरप्राईजेज गांधी पथ, सासाराम, बिहार	**श्री रोहित कुमार पोद्दार** नवरत्न बाजार (काजीपूरा सासाराम, बिहार (२२३)	**श्री पुष्कर अग्रवाल** न्यु एरिया, औरंगाबाद बिहार	**श्री विशाल कुमार जैन** सेटि भवन, न्यु एरिया औरंगाबाद, बिहार
श्री संजय कुमार अग्रवाल मे. केशरी नंदन इंटरप्राईजेज मानपूर, गया, बिहार	**श्री संतोष साँवरिया** पितमहेश्वर रोड, गया, बिहार	**श्री मनीष कुमार गोयल** मे. बंशी मशिनरी कार्पोरेशन टेकरी रोड, गया, बिहार	**श्री बिनोद कुमार धानुका** मे. श्री गणपति वस्त्रालय ला रोड, बजाज रोड, गया, बिहार	**श्री बिनोद कुमार जसरापूरिया** टेकरी रोड, इंडियन बैंक के नजदीक, गया, बिहार
श्री विजय कुमार भालोटिया मे. विंध्यावाशिनी इंटरप्राईजेज प्रथम तल, मिश्रा मार्केट गया, बिहार	**श्री संदीप कुमार बगड़ीया** द्वारा - गौरव स्टोर हनुमान मंदिर के नजदीक भागलपूर, बिहार	**श्री संजय कुमार लढ़** लाल बाग, तिलक मंझी भागलपूर, बिहार	**श्री गौरी शंकर केडिया** मे. शक्ति हैंडलूम स्टोर हरदेव दास लेन, भागलपूर, बिहार	**श्री पवन कुमार देवड़ा** द्वारा - श्री श्रीहाऊस मारवाड़ी टोला लेन, सुजागंज, भागलपूर, बिहार
श्री शुभम चुड़ीवाल ५०३, शिवा इक्लेव, कालोनी मोड़, मेन रोड, कंकड़बाग, बिहार	**श्री प्रमोद कुमार अग्रवाल** मे. शिव शक्ति वस्त्रालय सुरसंड़, सितामढ़ी, बिहार	**श्री आलोक कुमार लढ** मे. सुन्दरी, मेन रोड सुरसंड, बिहार	**श्री सुनिल कुमार सरावगी** मे. घर गृहस्थी, मेन रोड सुरसंड, सितामढ़ी, बिहार	**श्री विकास कुमार अग्रवाल** श्री बिनोद वस्त्रालय सुरसंड, सितामढ़ी, बिहार
श्री विनोद कुमार अग्रवाल बजरंगपूरी, गायघाट पटना, बिहार	**श्री आशीष कुमार चौधरी** मे. जय अम्बे इलेकट्रीक फतुहा, बिहार	**श्री रवि कुमार** मे. राजधानी इलेक्ट्रीक् लाल बाजार चौक, बेलिया बिहार	**श्री विवेक अग्रवाल** मे. राज कुमार अग्रवाल गणपतगंज, गोल बजार, बिहार	**श्री विकास अग्रवाल** मे. तिरुपती रेक्टर एण्ड आटोमोबाइल्स, शधोपूर, बिहार
श्री लखन कुमार मस्करा मे. मनभवन, साड़ी शाप ६, अलंकार प्लेस, बोरिंगर, पटना, बिहार	**श्री विकास भगेरिया** मे. वृन्दावन स्वीट्स बेगुसराय, बिहार	**श्री मुरारी वर्मा** बेगुसराय पार्क रोड, विश्वनाथ नगर, गली नं.-६, बिहार	**श्रीमती नमिता सिंघानिया** बश्धरी बाजार, बेगुसराय बिहार	**श्री शप्द कुमार अग्रवाल** मे. न्यु अनुपम वस्त्रालय बावरी बाजार, बेगुसराय बिहार
श्री दीपक कुमार सुल्तानियाँ मे. गजानंद ओमप्रकाश वस्त्रालय, बेगुसराय, बिहार	**श्री गौरव कुमार अग्रवाल** मेन रेड, बावरी बजार बेगुसराय, बिहार	**श्री अमित कुमार जालान** मेन रेड, बवरी बाजार बेगुसराय, बिहार	**श्री राज कुमार जालान** बावरी बाजार, बेगुसराय बिहार	**श्री कुष्णा सिंघानियाँ** १२९ए, एस. के. पूरी बोरिंग रोड, पटना, बिहार
श्री रंजना कुमार मेरलिया वासुदेव सिटी, राजेन्द्र पथ, पटना, बिहार	**श्री राम मनोहर सिंघानियाँ** १२४ए, एस. के. पूरी बेरिंग रोड, पटना, बिहार	**श्री विकास कुमार अग्रवाल** ए-७, पी.सी. कालोनी, कंकड़बाग, मेन रोड, पटना, बिहार	**श्री ओम प्रकाश कानोड़िया** मे. ममता स्टोर, रोडरमल लेन, भागलपूर, बिहार	**श्री अरूण कुमार सिंघानियाँ** मे. अरूणा स्टोर भागलपूर, बिहार

COMFORTABLY
SINGLE
Presenting ONN,
the exclusive inners that
redefine comfort.
Because what you wear inside,
decides your
comfort outside.
ONN®
TOTAL COMFORT

REGISTERED Postal Registration
No. KOLRMS/93/2018-2020
Date of Publication - 24th August 2018
RNI Regd. No. 2866/1968

LIFE BEGINS AT 60!

JAGRITI DHAM

KOLKATA'S MOST COMPREHENSIVE HOME FOR SENIOR LIVING

Yoga & meditation

Wellness spa

Indoor games

Outdoor activities

COMFORTS & CONVENIENCES
- Furnished and fully-serviced AC rooms
- Attached toilet, pantry and balcony
- Housekeeping and maintenance on call
- Wi-fi, Intercom

Privilege access to IBIZA Club

24 x 7 Medical care

Mandir

Safety and Security

SENIOR-FRIENDLY
- Wheel chair and walker-enabled spaces and ramps
- Spacious lifts to accommodate stretchers
- Specially designed bathrooms with wheel chair-accessible showers

- Inside Merlin Greens complex
- Adjacent to Ibiza on Diamond Harbour Road
- Near Bharat Sevasram Hospital and Swaminarayan Dham Temple
- 5 kms from Nature Cure and Yoga Research Institute

SECURITY
- 24 hours manned gate with Intercom
- Electronic surveillance, CCTV
- Power back-up

HEALTHCARE
- 24x7 ambulance, attendant
- Visiting doctors, specialists-on-call
- Emergency button in every room and frequently occupied areas
- Tie-ups with the city's best nursing homes and hospitals

SAFETY ACTIVITY COMMUNITY SPIRITUALITY

Supported by infinity

Jagriti Dham, Merlin Greens, IBIZA Club, Diamond Harbour Road, Pin 743 503
contact@jagritidham.com | www.jagritidham.com | 88 200 22022

From :
All India Marwari Federation
4B, Duckback House
41, Shakespeare Sarani, Kolkata-17
Phone : (033) 4004 4089
E-mail : aimf1935@gmail.com